राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

नवंबर में रिलीज होगी ऐश्वर्या राजेश...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 18 अक्टूबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 298 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

किसानों को मिला दिवाली गिफ्ट! पीएम मोदी ने जारी की 12वीं किस्त

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान सम्मेलन और 600 च्ड किसान समृद्धि केंद्रों, जन उर्वरक परियोजना, कृषि–स्टार्टअप सम्मेलन और प्रदर्शनी के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 12वीं किस्ष्त जारी की। बता दें कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को केंद्र सरकार द्वारा चलाया जाता है, जिसमें पात्र किसानों को हर चार महीने में 2–2 हजार रुपये यानी सालाना 6 हजार रुपये का आर्थिक लाभ दिया जाता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख बागडोर संभाली थी तब उन्होंने

मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जब देश की कहा था कि ये सरकार किसानों और गरीबों की सरकार है। आपके 8 साल से अधिक के कार्यकाल में ऐसे कई कदम उठाए गए हैं जिससे अपने देश के किसानों को मजबूती मिली है। इस तरह से चेक कर सकते हैं अपना स्टेटसः पहले पीएम किसान योजना की आधिकारिक वेबसाइट चउापेंद.हवअ.पद पर जाएं, फिर श्थ्ंतदमते ब्वतदमतश के विकल्प पर क्लिक करें। फिर यहां पर **'Beneficiary Status'** पर क्लिक करें और अब अपनी पीएम किसान खाता संख्या या रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर में से किसी एक विकल्प को चुन लें।

युवा नेताओं को सब्र रखना चाहिए, अशोक गहलोत बोले– जो लोग कांग्रेस छोड़कर गए वह अवसरवादी

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव हो रहा है। लगभग 22 वर्षों के बाद अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हो रहे हैं। अध्यक्ष पद की रेस में शशि थरूर और मल्लिकार्जुन खड़गे हैं। आज मतदान के बाद 19 अक्टूबर को नतीजे भी आ जाएंगे। सबसे बड़ा सवाल यही है कि दोनों में से किसे जीत मिलेगी। इन सब के बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बड़ा बयान दिया है। अशोक गहलोत ने साफ तौर पर कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे भारी बहुमत से जीतेंगे। इसके साथ ही उन्होंने खड़गे को अनुभवी व्यक्ति भी बताया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनका अनुभव पार्टी के लिए काम आ सकता है। युवा ऊर्जा पार्टी के लिए अच्छी है। लेकिन अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। इसके साथ ही अशोक गहलोत ने उन लोगों पर भी निशाना साधा जो कांग्रेस छोड़कर गए हैं। अशोक गहलोत ने कहा कि जो पार्टी छोड़कर गए हैं, वह लोग अवसरवादी हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया को

लेकर उन्होंने कहा कि उनको कम उम्र में मंत्री बनने का मौका मिला। जो मौका उन्हें बाद में मिलता वह पहले ही मिल गया। इसके साथ ही अशोक गहलोत ने कहा कि युवा नेताओं को सब्र रखना चाहिए। उनके भी अच्छे दिन आएंगे। उन्होंने सिंधिया, जितिन प्रसाद और आरपीएन सिंह को अवसरवादी बता दिया। वहीं, सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने खुले, लोकतांत्रिक और पारदर्शी चुनाव कराकर देश के लिए एक मिसाल कायम की है। मेरा मानना घ्है कि जो भी इस चुनाव में जीतेगा उसे पार्टी के सभी सदस्यों का पूरा समर्थन मिलेगा। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि नेतृत्व तो हमारा है और वो रहेगा। पार्टी के नए अध्यक्ष तय करेंगे कि नेतृत्व के दृष्टिकोण को कैसे आगे बढ़ाया जाए और कैसे लागू किया जाए। इससे पहले आज ही राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि एक तरफ राहुल जी की भारत जोड़ो यात्रा और दूसरी तरफ कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव दोनों ही अपने–अपने जगह महत्वपूर्ण हैं। बीजेपी जब से सरकार में आई है तब से ये संविधान की धज्जियां उठा रहे हैं..पक्ष के साथ विपक्ष का होना जरूरी है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमारे देश की एकमात्र राजनीतिक दल है जो अपने अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराती है। 137 साल के इतिहास में ये छठीं बार है जहां चुनाव हो रहा है। हमारी भारतीय राजनीति और कांग्रेस पार्टी के लिए ये एक ऐतिहासिक क्षण है।

सीबीआई जांच के खिलाफ `आप' का प्रदर्शन उसका `जश्न–ए–भ्रष्टाचार': भाजपा

नयी दिल्ली। आबकारी नीति 2021–22 के क्रियान्यवन में कथित अनियमितताओं के मामले पूछताछ के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा तलब किए गए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की पेशी के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन किए जाने पर भाजपा ने सोमवार को कड़ी आपत्ति जताई और इसे उसका ''जश्न–ए–भ्रष्टाचार'' करार दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पेशी के दौरान सिसोदिया द्वारा खुली कार में समर्थकों संग

नारेबाजी किए जाने पर भी तंज कसा और कहा कि उनका यह व्यवहार ऐसा था मानो 'आप' ने ''भ्रष्टाचार का विश्व कप'' जीता हो। सीबीआई मुख्यालय जाने से पहले सिसोदिया 'आप' के कार्यालय और महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट भी गए। इससे पहले, सिसोदिया के आवास पर बड़ी संख्या में 'आप' कार्यकर्ता पहुंचे और जमकर नारेबाजी भी की। पात्रा ने कहा कि इससे पहले जब नेशनल हेराल्ड मामले में जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बुलाया गया था तब ठीक इसी प्रकार की ''नौटंकी'' कांग्रेस ने की थी। उन्होंने कहा, ''आज सभी ने आम आदमी पार्टी का ड्रामा देखा। आप याद करिए चंद दिनों पहले ठीक इसी प्रकार का दृश्य राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का देखने को मिल रहा था। पहले तो भ्रष्टाचार कीजिए, दलाली करिए और जब आपसे सवाल पूछा जाए तो आप जश्न मनाइए। ये कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि ये जश्न–ए–भ्रष्टचार है। आम आदमी कितनी बड़ी नौटंकी पार्टी है कि जो लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने आए थे, आज वही सबसे कट्टर बेईमान पार्टी बनकर उभरी है।''

पीएजीडी का बड़ा आरोप, कश्मीर में कोई नागरिक स्वतंत्रता नहीं, जेलों को निर्दोष लोगों से भरा जा रहा है

जम्मू। पीपुल्स अलायंस फॉर गुप्कर डिक्लेरेशन (च।ळक्) ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पूरे प्रदेश को कैद कर लोगों को अकेले छोड़ दिया है। अनुच्छेद 370 के संवैध

ाानिक अधिकार को छीनने के बाद अस्तित्व के अन्य साधन भी धीरे–धीरे ठप होते जा रहे हैं। पीएजीडी के प्रवक्ता एम वाई तारिगामी ने श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा, कोई नागरिक स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता या बोलने की स्वतंत्रता नहीं है, जबकि पुलिस स्टेशनों और जेलों को निर्दोष लोगों से भरा जा रहा है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस (एएनसी) के मुजफ्फर शाह और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अन्य नेताओं सहित पीएजीडी के सदस्यों ने डॉ फारूक अब्दुल्ला के गुप्कर आवास पर मुलाकात की, जिसके बाद समूह जम्मू–कश्मीर की अगस्त–पूर्व स्थिति की बहाली की वकालत करने के लिए गठित, इस क्षेत्र को शबिगड़नेश की ओर धकेलने के लिए भाजपा की आलोचना की। तारिगामी ने कहा कि गठबंधन के नेताओं ने वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा की जिसके बाद उन्होंने ष्कश्मीर के साथ–साथ जम्मू में तेजी से बिगड़ती स्थितिष पर चिंता व्यक्त की गई। पीएजीडी के प्रवक्ता ने भाजपा द्वारा की जा रही घुसपैठ के खिलाफ एकजुट खड़े होने के लिए लोगों के बीच एकता का आह्वान किया और लोगों और राजनीतिक दलों से ष्यहां के लोगों पर नई दिल्ली के रवैये के खिलाफ सामूहिक आवाज उठाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि देश भर में ष्बुद्धिजीवियों की चुप्पीष न केवल जम्मू–कश्मीर के लिए बल्कि पूरे देश के लिए हानिकारक है।

मैं चाहता हूं कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा को रोकें..., कांग्रेस के सांसद ने आखिर ऐसा क्यों कहा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पूरी तरीके से भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाने में लगी हुई है। इन सबके बीच कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने राहुल गांधी से भारत जोड़ो यात्रा रोकने की अपील की है। यह नेता कोई और नहीं बल्कि गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वर्तमान सांसद फ्रांसिस्को सरदिन्हा हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि मैं चाहता हूं कि राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा रोकनी चाहिए और हिमाचल प्रदेश तथा गुजरात में जाकर जनता को जगाना चाहिए ताकि वे कांग्रेस को वोट दें जो बीजेपी को हरा सकती हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि कांग्रेस एक मात्र ऐसी पार्टी है जो भाजपा का विरोध ा करती हैं। आपको बता दें कि मोदी लहर के बावजूद फ्रांसिस्को ने 2019 के चुनाव में साउथ गोवा से जीत हासिल की थी। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के दौरान पार्टी भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है। कांग्रेस की भारतीय जोड़ो यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी जो कि देश 150 दिनों तक चलेगी। यह कश्मीर में खत्म होगी। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 3500 से ज्यादा किलोमीटर की यात्रा की जाएगी। राहुल गांधी की इस यात्रा में खुद उनकी मां और कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी भी शामिल हो चुकी हैं। वर्तमान में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक में कांग्रेस नेताओं का दावा है कि कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा को अपार सफलता मिल रही है। लोग काफी संख्या में इस से जुड़ रहे हैं। हाल में ही कांग्रेस की ओर से भारत जोड़ो यात्रा के 1000 किलोमीटर पूरे किए गए हैं। चार राज्यों से गुजर चुकी है यात्राः 'भारत जोड़ो यात्रा' का नेतृत्व करते हुए गांधी अब तक चार राज्यों–तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से गुजर चुकी हैं। शनिवार सुबह बेल्लारी में राहुल गांधी का स्वागत करने के लिए सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग कतारों में खड़े थे। इस दौरान उनका कारवां ढोल–नगाड़ों और नारों की गूंज के बीच आगे बढ़ा। यात्रा मार्ग पोस्टर, बैनर और कांग्रेस पार्टी के झंडों से पटा हुआ था। इस दौरान कई लोग गांधी से हाथ मिलाते, उनके गले लगते और उनसे बातचीत करते नजर आए। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने 30 सितंबर को कर्नाटक में प्रवेश किया था।

दिल्ली पुलिस ने सीबीआई मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे संजय सिंह को हिरासत में लिया

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के

सांसद संजय सिंह को निषेधाज्ञा का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिए सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मुख्यालय के बाहर हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को बनाये जाने व उसके क्रियान्वयन में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने के विरोध ा में सिंह और अन्य लोग सीबीआई मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 'आप' के सांसद संजय सिंह व अन्य प्रदर्शनकारियों को सीजीओ परिसर में गैरकानूनी तरीके से प्रदर्शन करने के लिए हिरासत में लिया गया है।

एनसीईआरटी के डॉक्टोरल फैलोशिप में NEP के नए समूह शामिल, रिसर्च के लिए मिलेंगे बेहतर अवसर

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के डॉक्टोरल फैलोशिप कार्यक्रम में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' से जुड़े प्राथमिकताओं वाले नए समूह जोड़े गए हैं जिसमें प्रारंभिक देखरेख एवं मूलभूत शिक्षा, स्कूल छोड़ने वालों की संख्या पर अंकुश लगाना, व्यवसायिक कौशल, वित्तीय साक्षरता और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे विषय शामिल हैं। एनसीईआरटी के एक अधिकारी ने बताया कि संबंधित शोध प्रस्तावों को डॉक्टोरल फैलोशिप के लिए प्राथमिकता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य विभिन्न विषयों से शिक्षा के क्षेत्र में युवा शोधार्थियों को अनुसंधान के लिए बेहतर अवसर प्रदान करना तथा समकालीन संदर्भ में ज्ञान के आधार का निर्माण करना है। फैलोशिप के दस्तावेज के अनुसार, इसके तहत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में प्रारंभिक देखरेख एवं मूलभूत शिक्षा, स्कूल छोड़ने वालों की संख्या पर अंकुश लगाना, सभी स्तरों पर शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना, स्कूलों में पाठ्यचर्चा और शिक्षाशास्त्र की पहचान की गयी है। इसमें समान एवं समावेशी शिक्षा, सभी के लिए शिक्षा अधिगम एवं स्कूल परिसर, व्यवसायिक शिक्षा व्यवस्था, व्यवसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने तथा शिक्षा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का एकीकरण, वयस्क शिक्षा एवं व्यवसायिक कौशल के अलावा वित्तीय साक्षरता और बौद्धिक संपदा अधिकार को भी शामिल किया गया है।

परिषद डॉक्टोरल फैलोशिप प्रदान करती है और इस बार इसकी प्राथमिकताओं में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से जुड़े नए समूह जोड़े गए हैं। इन क्षेत्रों से

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

समाचार पत्र

में सरकारी विज्ञापन, निविदा, अदालती नोटिस, सम्मान, सूचना, टेंण्डर प्रकाशन के लिए आज ही सम्पर्क करें।

सभी जनपदों से आवश्यकता है पत्रकारों की

सम्पादकः- दैनिक बुद्ध का संदेश

8795951917, 9453824459

ई–न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com

E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

शाहरुख खान को हटा सौरव गांगुली को बनाएं पश्चिम बंगाल का ब्रांड एंबेसडर..., ममता को शुभेंदु अधिकारी का जवाब

नयी दिल्ली। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को लेकर राजनीति कम होने का नाम नहीं ले रही है। तृणमूल कांग्रेस ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद से सौरव गांगुली के विदाई को लेकर भाजपा पर जबरदस्त तरीके से सवाल उठा रही है। इसी कड़ी में आज ममता बनर्जी ने भी कुछ सवाल खड़े किए थे और कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सौरव गांगुली आईसीसी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़े। वहीं, अब ममता के बयान पर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी पर पलटवार करते हुए साफ तौर

पर कहा कि सौरव गांगुली को पश्चिम बंगाल का ब्रांड अंबेसडर बना दिया जाना चाहिए।

अपने बयान में शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि शाहरुख खान को हटा दें और सौरव गांगुली को पश्चिम बंगाल का ब्रांड एंबेसडर बनाएं। उन्होंने कहा कि अगर ममता बनर्जी सौरव गांगुली का कार्यकाल बढ़ाना चाहती थीं तो उन्हें उन्हें पश्चिम बंगाल का ब्रांड एंबेसडर बनाना चाहिए था। शुभेंदु ने साथ तौर कहा कि खेल में राजनीति मत करो। पीएम मोदी इन चीजों से दूर रहते हैं। आपको बता दें कि सौरव गांगुली को लेकर ममता ने आज कहा था कि सौरव गांगुली को आईसीसी का चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने अपने बयान में कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध करती हूं कि यह वह सुनिश्चित करें सौरव गांगुली को आईसीसी चुनाव लड़ने की अनुमति दी जाए। इसके साथ ही ममता ने कहा कि वह एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं। इसलिए उन्हें इससे वंचित किया जा रहा है। ममता ने कहा कि मैं भारत सरकार से आग्रह करती हूं कि राजनीतिक रूप से निर्णय ना लें बल्कि खेल और क्रिकेट को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाए।

मुलायम सिंह यादव की स्मृति में किया रक्तदान

प्रयास ट्रस्ट ने नेत्र परीक्षण व रक्तदान शिविर से अर्पित की श्रद्धांजलि

अयोध्या । नेताजी मुलायम सिंह यादव की स्मृति में प्रयास ट्रस्ट द्वारा . परशुराम वर्मा स्मारक महिला महाविद्यालय लालगंज तारुन में निःशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र परीक्षण तथा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि अर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन योगाचार्य डॉ. आचार्य चेतन्य की उपस्थिति में पूर्व विधान परिषद सदस्य हीरालाल यादव , विशाल वर्मा, अमृत राजपाल के नेतृत्व में मुलायम सिंह के स्मृति चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। शिविर में समस्त बृजेश यादव, इंद्रपाल यादव, डाअरविंद पाल , राम कुमार गुप्ता, बंसी लाल यादव, सीपी यादव, कृष्ण कुमार यादव, सुग्रीव यादव, राम मिलन यादव, ज्ञान यादव, कौशलेंद्र राजनाथ तिवारी, रोहित सिंह, अशोक यादव, जीतराम यादव पूर्व तहसीलदार, खुशीराम अर्जक,राकेश वर्मा, आशीष यादव, अतुल यादव जिला पंचायत सदस्य, मनोज यादव, रामकुंवर यादव, संदीप यादव,राम प्रवेश यादव, रिंकू यादव, राजदेव यादव पूर्व प्रधान, कमलेश यादव पूर्व प्रधान, राजमणि यादव प्रधान, अरुण यादव के के ए डी इंटर कॉलेज, जीतेंद्र, धीरज आदि ने मेले में उपस्थित होकर अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन अवध कुमार यादव, संजय कुमार यादव व रामकुमार यादव द्वारा किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में डॉ गौरव वर्मा फिजिशियन, डॉक्टर एस के यादव हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर ऋचा गुप्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ दीपक गुप्ता फिजीशियन, डॉक्टर ज्योत्सना गुप्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर एस के यादव रिटायर्ड मेडिकल ऑफिसर, डॉ आलोक कुमार हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ विन्ध्या यादव बीएचएमएस, डॉ अमित तिवारी बीडीएस , डॉक्टर जनार्दन प्रताप फिजीशियन एवं बाल रोग विशेषज्ञ ने गरीबों असहयों की जांच की ।वहीं सत्यम डायग्नोस्टिक सेंटर एवं धर्मा पैथ लैब द्वारा मरीजों की निशुल्क जांच की गयी।

भाजपा का विकास ही विरोधियों के लिए जवाब : रामचन्द्र यादव

–नगर पालिका परिषद में शामिल गांवों में विधायक ने लगाई जनचौपाल

रूदौली(अयोध्या) । आदर्श नगर पालिका परिषद रूदौली में शामिल हुए गांवों में विधायक रामचंद्र यादव का लगातार भाजपा का नगर सीमा विस्तार एवं जनचौपाल कार्यक्रम लगातार जारी है। . नगर क्षेत्र के डेहवा जसमड़, गुलचप्पा व सराय पीर में आयोजित सीमा विस्तार एवं जनचौपाल कार्यक्रम में विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा तेजी से जारी विकास ही विरोधियों के लिए करारा जवाब है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने क्या काम किया वो दिखाई पड़ता है और आज उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज जी के कार्यकाल में जो विकास कार्य ध ारातल पर हैं वो भी दिखाई पड़ रहे हैं। कहा कि भाजपा द्वारा किये गए कार्य जन जन तक पहुंचे हैं और आज समाज के हर व्यक्ति को सरकार द्वारा जारी सभी योजनाओं का लाभ सीधे उन्हें प्राप्त हो रहा है उसमें किसी भी बिचौलिए की दाल नही गल रही है। कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार द्वारा मिलने वाली लाभदायक योजनाओं से वंचित नही रहेगा। नगर में जुड़े सभी गांवों को वार्ड का दर्जा दिया जा चुका है अब इनका समुचित विकास कराना ही पहली प्राथमिकता होगी। कार्यक्रम में ग्राम डेहवा जसमड़ को मोहल्ला वजीरगंज में जोड़कर बाबू कल्याण सिंह वार्ड बनाये जाने व गुलचप्पा सराय पीर को महारानी अवंती बाई वार्ड में जोड़े जाने के लिए ग्रामीणों ने विध ायक रामचंद्र यादव का आभार प्रकट करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मल शर्मा, नगर अध्यक्ष शेखर गुप्ता, नगर महामंत्री व कार्यक्रम संयोजक राम राज लोधी, सभासद कुलदीप सोनकर, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सत्ती लाल रावत, सभासद आशीष वैश्य, भाजपा नेता आशीष शर्मा, राज किशोर सिंह, लालचंद लोध ी,मालिक राम लोधी, इंदरजीत लोधी, सुरेश श्रीवास्तव,संदीप नवीन शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य राम नवल लोधी, राजेंद्र लोधी, राम केतार लोधी, बृजेश यादव, पूर्व प्रधान कुलदीप मौर्या, सहित क्षेत्र की तमाम जनता व अन्य लोग मौजूद रहे।

नई कहानी आंदोलन का चमकता सितारा थे शेखर जोशी : डॉ. अनिल सिंह

अयोध्या । हिंदी समाज के प्रिय कथाकार शेखर जोशी की याद में 'स्मरण रू शेखर जोशी' शीर्षक से एक स्मृतिगोष्ठी का आयोजन प्रेस क्लब में जनवादी लेखक संघ और प्रगतिशील लेखक संघ के संयुक्त आयोजकत्व में किया गया। गोष्ठी की अध यक्षता वरिष्ठ कवि स्वप्निल श्रीवास्तव ने की। इस अवसर पर शेखर जी को याद करते हुए वरिष्ठ आलोचक रघुवंशमणि, वरिष्ठ कवि अनिल कुमार सिंह सहित डॉ प्रवीण यादव, डॉ प्रदीप कुमार सिंह, पूनम सूद, मोहम्मद इशहाक, मोतीलाल तिवारी, अशोक तिवारी एवं सत्यभान सिंह ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। स्वप्निल ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि शेखर जी के जाने से हिंदी नयी कहानी आंदोलन का आखरि चमकता सितारा बुझ गया है लेकिन उसकी चमक की स्मृति लम्बे समय तक बनी रहेगी। उन्होंने शेखर जी की विनम्रता का जिक्र करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसे लोगों का होनाविरल है। उन्होंने कहा कि मध्यवर्ग की त्रासदियों के साथ श्रमशील समाज और खासकर पहाड़ से विस्थापित लोगों के जीवन की समस्याओं का उन्होंने अपने कथा साहित्य में गहराई के साथ चित्रण किया है । वरिष्ठ आलोचक रघुवंशमणि ने दाज्यू कहानी में मध्यवर्गीय अकेलेपन की संवेदना के बीच वर्ग के अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कोसी का घटवार कोहिंदी की ऐतिहासिक प्रेम कहानियों में गिनाते हुए उसकी पूर्व दीप्ति शैली का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बदबू कहानी के माध यम सेशेखर जोशी ने श्रमशील समाज का सच सामने रखा है। वरिष्ठ कवि एवं प्राध्यापक अनिल कुमार सिंह ने अपने इलाहाबाद प्रवास के दिनों में शेखर जी के साथ बिताए समय और उनसे पारिवारिक सम्बन्धों को याद करतेहुए कहा कि वे एक निश्छल व्यक्ति थे। कथाकार अमरकान्त और भैरव प्रसाद गुप्त से उनके सम्बंधों की बात करते हुए उस समय केइलाहाबाद के समृद्ध साहित्यिक परिदृश्य को उन्होंने याद किया। उनकी कहानियों की चर्चा करते हुए अनिल कुमार सिंह का कहना थाकि ऊपर से सहज और साध ारण दिखती हुई शेखर जी कहानियों में गहराऔर तीखा वैचारिक भावबोध मौजूद था। कवि–लेखक मोतीलाल तिवारी ने शेखर जी की प्रसिद्ध कहानी कोसी का घटवार की तुलना चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी उसने कहा था कहानी सेकरते हुए उसे एक गहरी और संवेदनशील कहानी बताया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कवि–प्राध्यापक विशाल श्रीवास्तव ने शेखर जी को सहज मानवीय सम्बंधों का अद्भुत कथाकार बताया। उन्होंने कहा कि शेखर जी अपने समकालीनों की भाँति कहानियों में विचार का कोई धमाका नहीं करते बल्कि अनुभव के सामान्य दायरे में ही वैचारिकअर्थवत्ता को विन्यस्त करते हैं। उनके द्वारा शेखर जी की कविता 'कारखघना' और दाज्यू कहानी से एक अंश का पाठ किया गया। युवा कवि एवं प्राध्यापक प्रदीप कुमार सिंह ने शेखर जी के बालसुलभ व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि उनसे मिलने पर यह नहीं लगता था कि आप किसीबहुत बड़े रचनाकार से मिल रहे हैं, वे अत्यंत सहज व्यक्ति थे और उनका जाना हिंदी कहानी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ प्रवीण कुमार यादव ने नयी कहानी आंदोलन में शेखर जोशी की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शेखर जी की कथाभाषा बेमिसाल थी, बिना किसी भाषिक जटिलता के वे पाठक तक अपनी संवेदना को सम्प्रेषित करने में सक्षम थे। कवयित्री एवं साहित्यसेवी पूनम सूद ने शेखर जी की कहानियों को हिंदी कहानी की अमूल्य निधि बताते हुए कहा कि उनके कथा साहित्य में जो भावनात्मक निर्दोषता है वह बाकमाल है। इस अवसर पर अधि वक्ता कंचन दुबे, नीरज सिन्हा नीर, मुजम्मिल फिदा, कंचनलता, अयोध्याप्रसाद तिवारी, चंद्रप्रकाश, शाश्वत, शोएब, सैफी, सिकंदर, विजय, राम दुलारे, अखिलेश, सत्य प्रकाश, कबीर, संतोष गर्ग, बालकिशन, विनय कुमार, रामजी यादव सहित बड़ी संख्या में शहर के साहित्यप्रेमी, संस्कृतिकर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आन लाइन दुकनो से छोटे दुकानदारों को भारी नुकसान

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष प्रमोद चौध ारी ने दीपावली पर अपने बाजार के दुकानों से सामान खरीदने का अनरोध लोगों से किया है फड़ीसराज पटवा ने कहा है कि यही अपने नजदीकी दुकान से ही खरीदने के लिए बताया कि यही दुकान वाले आपके साथ हमेशा किसी भी त्योहारों मैं चंदा देते है प्यासों को पानी बैठने की जगह अचानक आंधी पानी आने पर किसी दुर्घटना पर दौड़ कर काम आते है यदि आप इनसे सामान खरीदते है तो इनका भी घर चलता बच्चे खुश होते है यही दुकानदार हर मौके पर पड़ोसियों मुहल्ला वासियो मरने पर सामान तो देते ही है कंध ा भी देते है इसी क्रम मैं राहुल सोनी. मीरु शाह. परमजीत सिंह पम्मी व्यापार मंडल अध्यक्ष गैसड़ी रुपचंद गुप्ता महामंत्री तुलसीपुर व्यापार मंडल श्याम अग्रहरि प्रभारी अध्यक्ष तुलसीपुर आशीष सिंह ओम आदि ने ऑनलाइन सामान ना मगाने की अपील किया है

गेस्ट हाउस में आग लगने से मची अफरा तफरी, सामान जलकर खाक

कानपुर। रावतपुर के एक गेस्ट हाउस के कार्यालय में शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई,जिससे आसपास क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल बन गया। मौके पर दमकल की दो गाड़ियां लेकर पहुंचे जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गेस्ट हाउस के कार्यालय में रखा सामान पूरी तरह खाक हो गया। शारदा नगर निवासी भूपेंद्र सिंह छपेड़ा पुलिया के पास प्रयागराज के नाम से गेस्ट हाउस चलाते हैं। सुबह गेस्ट हाउस के कार्यालय में हुए शॉर्ट सर्किट के चलते अचानक भीषण आग लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस व दमकल जवानों ने दो गाड़ियों से एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक गेस्ट हाउस का कार्यालय व वहां रखा सामान पूरी तरह जल गया। गेस्ट हाउस मैनेजर राहुल के मुताबिक घटना के समय गेस्ट हाउस में कोई मौजूद नहीं था। संभवत कार्यालय के बिजली बोर्ड में शॉर्ट सर्किट होने के चलते घटना के होने का अंदेशा है। रावतपुर थानाध्यक्ष संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि आग गेस्ट हाउस के बाहरी हिस्से में लगी थी, जिसपर समय रहते ही काबू पा लिया गया है। स्थिति पूरी तरह सामान्य है, तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मड़हा नदी पर छीटा बंधा लगाने से देवरिया गांव में घुसा पानी

-गांव की सैकड़ों बीघा फसल के साथ साथ दो स्कूलों के सामने काली सड़क पर डेढ़ फीट तक भरा पानी

बारून–अयोध्या । क्षेत्र में बह रही मड़हा नदी की जलध ारा पर भुलईपुर टकसरा गांव में कुछ मछली शिकारियों के द्वारा छींटे का बंधा बनाकर मड़हा नदी की जलधारा बाधित कर देने से देवरिया गांव की सैकड़ों बीघा धान,गोभी व अन्य सब्जियों की फसल जलमग्न हो गई और नदी का पानी गांव में घुसने के कारण बारुन से देवरिया होते हुए जहीरगंज जाने वाली मुख्य काली सड़क भी कई स्थानों पर पानी में डूब गई है।देवरिया गांव में स्थिति विद्या इंटरनेशनल एकेडमी तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवरिया के सामने काली सड़क पर एक डेढ़ फीट पानी भर जाने के कारण विद्यालय में आने जाने वाले बच्चों के लिए स्कूल जाना जोखिम भरा हो गया है।

नदी का पानी गांव में घुसने से आक्रोशित देवरिया गांव के मजरे नौहड़िया के सैकड़ों निवासियों ने भुलईपुर टकसरा पहुंचकर नदी के बीच जलधारा पर मछली के शिकारियों द्वारा बनाए गए छीटा बंधे का जमकर विरोध किया।ग्रामीणों के भारी विरोध के कारण मछली शिकारियों को बैकफुट पर आना पड़ा और ग्रामीणों के सहयोग से छींटा बंध ो को नदी की मुख्य जलधारा से हटाना पड़ा।इस बाबत चौकी प्रभारी शाहगंज अनुराग पाठक ने बताया कि चौकी क्षेत्र बारुन के देवरिया गांव के लोग बड़ी संख्या में भुलईपुर आये थे और देवरिया गांव में जलभराव की जन समस्या को देखते हुए मड़हा नदी की जलधारा से छीटा के बंधे को ग्रामीणों द्वारा हटाने की जानकारी मिली है। बंधा लगाकर नदी की अविरल जलधारा को बाधित करने वाले शिकारियों का विरोध करने वालों में प्रमुख रूप से हरिशंकर साहू,अभिषेक कौशल,सनीत कुमार,अरुण कुमार,संजय कुमार साहू,दीपक चौहान,सूरज चौहान,सोना सिंह,कल्लू पासी,दीनदयाल यादव,रंगीलाल चौहान,रामबहादुर चौहान,बेचन चौहान,लल्ला पासी,राकेश चौहान,श्याम प्रसाद,केवी चौहान,प्रदीप कुमार,राजेश शर्मा,बबलू चौहान,रामकिशोर,कट्टर, राम भगवान,धर्मराज, हरि चौहान,संतराम, ह्रदय राम,राम अछैबर,दीनदयाल,रामसूरत,सोनू चौहान, दुर्गा चौहान,विवेक यादव,हंसराज चौहान समेत देवरिया गांव के सैकड़ों लोग शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने किया बाढ़ प्रभावितों को वितरित की जा रही राहत सामग्री की गुणवत्ता का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ महेंद्र कुमार द्वारा मंडी समिति

पहुंचकर बाढ़ प्रभावितों को वितरित की जा रही राहत सामग्री किट की गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित फर्म को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्रता से तहसीलों को राहत सामग्री किट पहुंचाए जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि तीनों तहसीलों के बाढ़ प्रभावित ग्रामों के पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री किट वितरित किया जा रहा है। अब तक 35 हजार से अधि क पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री किट वितरित किया जा चुका है। राहत सामग्री किट के गुणवत्ता के जांच के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

कई दिशाओं में दीप जलाकर किया गया रिहर्सल

–दीपोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू

अयोध्या । डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीपोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। दीपोत्सव नोडल अधिकारी व विवि सलाहकार समिति के अध यक्ष प्रा.0 अजय प्रताप सिंह ने कौटिल्य प्रशासनिक भवन स्थित स्थल पर दीपोत्सव पदाधि ाकारियों के साथ पांच–पांच दीए कई दिशा में जलाकर रिहर्सल किया। जिससे दीपोत्सव के दिन वालंटियर्स को दीए जलाने में कोई असुविधा न हो। दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन के समन्वय से 23 अक्टूबर की शाम राम की पैड़ी पर दीपोत्सव को एतिहासिक बनाया जायेगा। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशक्रम में 15 लाख दीए जलाने का लक्ष्य दिया गया है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा 37 घाटों पर 17 लाख दीए बिछाने व जलाने की तैयारी है। दीपोत्सव के लक्ष्य को आवासीय परिसर, सम्बद्ध महाविद्यालयों व अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं वालंटियर्स के सहयोग से प्राप्त किया जायेगा। इसके लिए लगभग 20 हजार वालंटियर्स लगाये जा रहे है। नोडल अधि ाकारी ने बताया कि राम की पैड़ी के 37 घाटों पर दीए बराबर जले इसके लिए पांच–पांच दीए को कई दिशाओं में जलाकर रिहर्सल किया गया। उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर को स्वामी विवेकानंद सभागार में प्रातः साढेध ग्यारह बजे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अखिलेश कुमार सिंह की अध यक्षता में दीपोत्सव के वालंटियर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया है। इसमें वरिष्ठ पुलिस अध ीक्षक अयोध्या सहित समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक व समस्त दीपोत्सव के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। रिहर्सल के दौरान प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 आर के सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, उप–नोडल अधिकारी डॉ0 संग्राम सिंह, इंजीनियर अनुराग सिंह, डॉ0 कपिलदेव, डॉ0 प्रवीण राय, डॉ0 शिवांश कुमार, मंगलम सिंह, अंशुमान सिंह, आदित्य सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहें।

ब्राह्मणों को अपने संस्कारों के आधार पर अपनी पहचान करानी चाहिए: प० वेंकटरमन बेल्ली

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। ब्राह्मणों के

वर्तमान समय में अपनी पहचान बनाए रखने के साथ ही समाज को सनातन परंपराओं के अनुसार दिशा देने की अहम जिम्मेदारी है वर्तमान समय में वैदिक परंपराओं को सशक्त बनाए रखने एवं उनके अनुसार एक संस्कारी समाज की रचना की भी जिम्मेदारी ब्राह्मणों की ही है और यह तभी संभव होगा जब आने वाली पीढ़ियां दे बेदो उपनिषदों का ध यान रखेगी इसके लिए जरूरी है कि ब्राह्मण परिवार अपने बच्चों को अंग्रेजी शिक्षा के साथ ही गुरुकुल की भी शिक्षा दिलाएं यह बातें कर्नाटक से बलरामपुर पधारे वरिष्ठ समाजसेवी नारायण हेगड़े ने उत्तर दक्षिण भारत ब्राह्मण संगठन के आवाहन पर आयोजित बैठक में कही उक्त बैठक का आयोजन घनश्याम मिश्र पूर्व अध्यक्ष छात्र संघ के निजी आवास पर संपन्न हुई बैठक में प्रमुख रूप से अमिताभ पांडे लड्डू तिवारी नंदलाल तिवारी सुभाष पाठक सभासद अजीत नारायण शुक्ला एडवोकेट दीपेंद्र उपाध्याय एडवोकेट कृति सागर पांडे विशाल मिश्रा राजेंद्र मिश्रा कृष्ण चंद्र उपाध्याय रामबरन पांडे विमल कुमार मिश्रा अजय मिश्रा सत्य प्रकाश मिश्रा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए बैठक का संचालन घनश्याम मिश्र ने किया व आए हुए अतिथियों के प्रति धन्यवाद दीया वरिष्ठ पत्रकार राजीव मिश्र ने धन्यवाद दिया आगामी बैठक 18 दिसंबर 2023 को प्रस्तावित किया गया।

जादूगर ओपी शर्मा का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

कानपुर। जादूगर ओपी शर्मा का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया। भैरोघाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। .... देर रात करीब 11 बजे 71 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। वो कोरोना संक्रमित थे। लंबे समय से बीमार थे। कानपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। डायलिसिस भी चल रहा था। ओपी शर्मा ने अपनी जादू की कला से देश–विदेश में बड़ा नाम कमाया। उन्होंने करीब 40 हजार शो किए। वह कहते थे–मैं रहूं या न रहूं जादू चलता रहेगा। ओपी शर्मा ने राजनीति में भी किस्मत आजमाई, लेकिन सफलता नहीं मिली थी। उनका कहना था कि जिसकी शुरुआत होती है, उसका अंत भी होता है। ये प्रकृ ति का नियम है। शर्मा मूल रूप से बलिया के रहने वाले थे। उन्होंने कानपुर में अपने घर नाम भूत बंगला रखा था। ओपी शर्मा के निधन पर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ व डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने दुख जताया है।

बाढ़ से ग्रसित क्षेत्रों में विधायक विनय वर्मा ने राहत सामग्री बाटा, ढेबरुआ-इटवा मार्ग चालू

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र में बाढ़ की कहर से कई गांव पानी से घिर चुका है। मुख्य सड़क पर जल जमाव से आवाजाही बंद हो गया है। जनप्रतिनिधियों के प्रयास। ढेबरुआ इटवा मार्ग चालू कर दिया गया है। गांव में बसे लोगों को खाने पीने और रहने की समस्या होने लगी है। घर में रखा समान खराब हो चुका है। बेजुबान जानवरों को चारे के लिए समस्या आ चुकी है। जिला के प्रशासन, शासन,एनजीओ,ट्रस्ट,जनप्रतिनिधि ा अपने अपने तरीके से बाढ़ में फसे लोगों की मदद कर रहे हैं। सांसद, विधायक, जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, ढेबरुआ व शोहरतगढ़ पुलिस सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता मदद करने में लग चुके हैं। बाढ़ से घिरे गांव, सहित सैकड़ों गांवो में बाढ़ राहत सामग्री और दवा बाटा गया। शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने अपनी टीम के साथ लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सुबह से शाम दौरा कर पीड़ित लोगों का मदद कर रहे हैं। उन्होंने बैजनथा के टोला कटहा,भपसी,भटमला एवं करौंदा में जनता–जनार्दन के बीच खाना और पानी का वितरण किया। बाढ़ क्षेत्रों में वे नाव के जरिये तो कहीं घुटने भर पानी तो कहीं कमर भर पानी में जाकर बाढ़ पीड़ित लोगों के बीच खाना–पानी का वितरण कर रहे हैं। अपने विध ानसभा क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों की सहायता व उनकी सुरक्षा तथा उन्हें राहत सामग्री वितरण करने की दिशा में हमारी मुहिम इस समस्या से पीड़ित हर एक परिवार व एक–एक आदमी तक पहुँचने की है और इसके लिए समर्पित हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ के किशोरी लाल बाबू जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, शोहरतगढ़ के सम्मानित व्यपारी बंधुओं के सहयोग से करीब तीन हजार लोगों के लिए भोजन–पानी की व्यवस्था की गई। विधायक के प्रयास से प्रशासन द्वारा भी पाँच सौ लंच पैकेट की व्यवस्था की गई। सहयोग से कच्चा और पका भोजन बाढ़ पीड़ितों के बीच वितरण हेतु मुहैया कराया गया। यह संकट की घड़ी है जिसमें मानवता पहले है। जिसमें हम लोगों को ज्यादा से ज्यादा बाढ़ पीड़ितों का सहयोग करना चाहिए। विधायक ने कहा कि मैं आंशिक रुप से आने वाले क्षेत्रों में बाढ़ पीड़ितों की सेवा–सुरक्षा तथा उन्हें खाना–पानी पहुँचाने हेतु कल रात को ही हमने इटवा एसडीएम से बात कर सहायता बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री तथा प्रशासनिक सहयोग के लिए कहा था इसी क्रम में आज उनके सौजन्य से 2000 खाना का पैकेट मुहैया हुआ और ग्राम चेचराफ बुजुर्ग का टोला अनरिया डीह, भैसाही जंगल तथा खखरा चेचराफ खुर्द में एसडीएम विकास कश्यप इंस्पेक्टर सतीश सिंह, सत्य रंजन राज सिंह क्षेत्रिय लेखपाल, सत्येन्द्र कुमार सहायक लेखपाल तथा अपने सभी समर्पित सहयोगियों तथा सम्मानित कार्यकर्ताओं के साथ बाढ़ पीड़ितों के बीच खाना–पानी, फल, बिस्किट आदि जरुरत के सामानों का वितरण किया। इस दौरान काफी संख्या में उपस्थित हमारे देवतुल्य जनता–जनार्दन तथा छोटे–छोटे बच्चों की आँखों में व्याप्त भय को मिटाकर उनके दिल में नई उम्मीदों को जगाने की हमारी कोशिश लगातार जारी है और जारी रहेगी। हम इटवा के एसडीएम साहब तथा उनके सभी सहयोगियों को हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूँ कि हमारे विधानसभा के अधिकार क्षेत्र से बाहर होकर भी उन्होंने इस हद तक हमारे इस प्रयास में अपना योगदान दिया। और यही उम्मीद हम अपने विधानसभा क्षेत्र के शासन के अधिकारियों से भी करते हैं। इस दौरान सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

किसान सम्मान निधि पाकर किसानों में खुशी का माहौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण बर्डपुर मण्डल में किसानों संग हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के किसानों को किसान सम्मान निधि के माध्यम से 12वीं किस्त के रूप में 16 हजार करोड रुपए की लागत से 12 वीं किस्त के रूप में डिजिटल माध्यम से किसानों के खातों में धनराशि सीधे हस्तांतरित किया गया। जिसको लेकर भारतीय जनता पार्टी बर्डपुर मंडल किसान मोर्चा के अध्यक्ष विवेक गोस्वामी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण आयोजित किया गया। जिसमें शक्ति केंद्र दूल्हा खुर्द के बगही में आयोजित लाइव कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुना और किसान सम्मान की निधि की किस्त मिलने पर खुशियां भी जताई। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय ने उपस्थित किसान बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश के देवतुल्य जनता के आशीर्वाद की फलस्वरूप 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की सरकार जब से बनी है तभी से देश के किसानों के उन्नति को लेकर ठोस प्रयास किए गए हैं। जिसमें किसान सम्मान निधि योजना किसान भाइयों के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी व उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की भाजपा सरकार किसानों के जीवन को और आसान बनाने, किसानों को और समृद्ध बनाने तथा हमारी कृषि व्यवस्थाओं को और आधुनिक बनाने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। पिछले 8 वर्षों में देश का किसान एक समृद्धि एवं सशक्त तथा उन्नतशील किसान बनकर उभर रहा है। अंत्योदय की परिकल्पना को साकार कर रही भारतीय जनता पार्टी के सरकार ने सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के तहत देश की एकता और अखंडता को अक्षुण् बनाए रखने को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। जिसका परिणाम है कि आज हमारा भारतवर्ष पूरी दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता के साथ मजबूती से खड़ा है। लाइव कार्यक्रम के दौरान शक्ति केंद्र संयोजक मंगलेश शुक्ला, मंडल मंत्री मारकंडे मिश्रा, अविनाश शुक्ल, सविता, नंदन पाण्डेय, रामधनी, जिलेदार ,धर्मराज, फुलमान, लालमन, नसीम ,राधेश्याम, जितेंद्र नाथ दुबे, कोदई, शम्भू, अमन, रामकिशुन, चीनक, जगदीश, रामआदलत, संतू भोला ,रामअचल ,नूर मोहम्मद आदि मौजूद रहे।

विवाह घर का पिलर गिर जाने से मृत्यु होने पर जिलाधिकारी द्वारा जांच टीम गठित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायत भरवटिया मुस्हकम में बने विवाह घर

में बाढ़ प्रभावित परिवार के लोग रह रहे थे। विवाह घर का पिलर गिर जाने से मृत्यु होने पर जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द मृतक परिवार के लोगो से भेट कर शोक संवेदना व्यक्त की गयी। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा जिला प्रशासन परिवार के साथ है। सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा दी जाने वाली सहायता परिवार को दिलाने का भरोसा दिलाया। इसके अलावा सरकार द्वारा जो भी योजानायें है संचालित है उन योजनाओ से पीड़ित परिवार को लाभ दिलाया जायेगा। इसके पश्चात जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा गिरे विवाह घर का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा विवाह घर की टेक्निकल जांच हेतु जिला विकास अधिकारी की अध्यक्षता में टीम गठित कर जांच कराने का निर्देया दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जांच टीम एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट देगी कि किन कारणो से विवाह घर गिर गया है। जॉच रिपोर्ट आने के पश्चात दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष मनोज पाठक ने राहत सामग्री ग्रामीणों में वितरण किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसीधसिद्धार्थनगर। कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी व प्रियंका गांधी के निर्देशन पर बांसी तहसील क्षेत्र के खदरी, खदरा, बढ़नी, सेहरी, विशुनपुरवा, बनकटा, फुलवापुर, थुमहवा बनकटा के ग्रामीणों में प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय युवा कांग्रेस के मनोज कुमार पाठक के नेतृत्व में बांढ पीड़ितों में आवश्यक राहत सामग्री व दैनिक उपयोगी वस्तुओं का वितरण किया गया। इस दौरान मनोज पाठक ने कहा कि इस विपत्ति काल में सभी राजनीतिक पार्टियों के लोगों को आगे आना चाहिए और बाढ़ से पीड़ित लोगों का विश्वास निस्वार्थ मदद करना चाहिए इस दौरान विशाल पांडे रविंद्र नाथ पांडे अब्दुर्रहमान राम विकास राम पाठक डब्लू ओझा, अखिलेश गोस्वामी राहत सामग्री वितरण में सामिल रहें तथा तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

बाढ़ में फंसे पीड़ितो को पका भोजन वितरित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड जोगिया के अति प्रभावित क्षेत्र के

कोयड़ा,अहड़ी,सेमरा, हडकौली, दोहनी, ककरही, तनजवा भुतहिया, गंगवल ,डुमरिया, मेचुका, मे बाढ़ मे फंसे लोगों को लंच पैकट, बोतल पानी गैलन, पोलीथीन आदि का वितरण किया गया टीम मे मौजूद रहे लोग जिसमें तहसीलदार नौगढ राम ऋषि रमन ने पहुंचे लंच का पैकेट और पानी का जार ले बच्चों ने खाना पाकर खुश हो गये और छत रह रहे रामवृक्ष ने कहा कि हमारे बच्चे तीन दिन से भूखे प्यासे थे। इस अवसर पर होटल शुभम पैराडाइज के मालिक शुभम श्रीवास्तव, लेखपाल राम करन गुप्ता राहुल मणि त्रिपाठी ,कमलेश पाण्डेय, कृष्ण नन्द चौधरी, सुबोध गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

आदर्श गौशाला सियावं नानकार में गोवंशीय पशुओं की दुर्व्यवस्था का अम्बार

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के आदर्श गौशाला सियावं नानकार में गोवंश पशुओं की दुर्व्यवस्था को लेकर तरह–तरह के चर्चा हो रहे हैं। शासन प्रशासन के बार बार चेतावनी के बाद भी गौशाला के संचालन व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। गौशाला में 300 से अधिक गोवंश के पशुओं का होना बताया जा रहा है। तीन दिन पहले गौशाला में आधा दर्जन से अधिक गोवंश मरणासन्न की स्थिति में जीवन पाने का गुहार लगाते रहे। लेकिन गौशाला संचालक व विकास विभाग के लोगों का दिल नहीं पसीजा और पशुओं को मरणासन्न की स्थिति में छोड़ दिया गया।

कुछ दिन पहले भी कई गोवंशी मौत का शिकार हो चुकी हैं। सोमवार को प्रभारी खंड विकास अधिकारी संजय कुमार व ग्राम पंचायत सचिव निशा श्रीवास्तव आदि गौशाला का निरीक्षण करने सहयोगी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पहुंचे। गौशाला की दुर्व्यवस्था, गन्दगी, चारा अभाव ,पशु इलाज आदि को नजरअंदाज कर गोशाला संचालक का भ्रष्टाचार रूपी मनोबल बढ़ाने में नजर आए। साफ सफाई की अव्यवस्था से गौशाला में कुछ ही ठहरना मुश्किल जैसा रहता है। अव्यस्था की जानकारी होने पर मीडिया कर्मियों को देख प्रभारी खंड विकास अधिकारी उलझ गए और तरह–तरह की उल्टी सीधी बातें करने लगे। गौशाला में मौजूद पशुओं की संख्या, चारा ,पानी व साफ सफाई की अव्यवस्था पर उन्होंने सीधे पल्ला झाड़ना शुरू कर दिया। जब निरीक्षण करने वाले अधिकारी ही समस्या समाधान न कर गलत तरीके से गौशाला संचालक के मनोबल को बढ़ाएंगे तो ऐसे में गौशाला की व्यवस्था में सुधार कैसे संभव है। खुनुवा–शोहरतगढ़ मार्ग किनारे स्थित गौशाला से गुजरने वाले नागरिकों का कहना है कि हर दिन गौशाला से दुर्गंध के चलते राहगीरों का चलना भी मुश्किल रहता है। इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार ने कहा कि गौशाला में व्याप्त दुर्व्यवस्था की जानकारी नहीं है। दिखवाकर समस्या समाधान होगा। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा गौशाला के अंदर जाने से अगर पत्रकारों को रोका गया है, तो उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

- **दर्जनों पशु मरणासन्न की स्थिति में**
- **आदर्श गौशाला सियावं नानकार में निरीक्षण करने पहुचे प्रभारी बीडीओ संजय कुमार ,मीडिया कार्मिकों को अन्दर जाने से रोका**
- **तथ्य को छुपाने के प्रयास मे गौसंचालक के लगे रहे**

विकास खण्ड अधिकारी राकेश शुक्ला ने बाढ़ पीड़ितों को किया लंच वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। उसका बाजार में दर्जनों गांव

के ऊपर बाढ़ की चपेट में है बाढ़ के वजह से लोगो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है लोगो के घरों में पानी घुस गया है लोगो के पास खाने के लिए ताहत नही बचा हुआ है और जानवरों के लिए भी काफी दिक्कते हो रही है जानवरों के लिए चारे के लिए ताहत नही बचा है वहीं बाढ़ पीड़ितों को लंच पैकट वितरण खंड विकास अधिकारी द्वारा किया गया नाव से जाकर बाढ़ पीड़ितों का हाल भी जाना । सहायक विकास अधिकारी संजय पांडेय, ग्राम विकास अधिकारी शैलेंद्र गुप्ता सदानन्दन यादव ,प्रधान लोग भी रहे मौजूद।

सम्पादकीय

चुनाव आयोग के लचर तर्क

बहरहाल, चुनाव आयोग के इस फैसले से दोनों राज्यों और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को बहुत फायदा होना है। जब तक गुजरात में चुनाव की घोषणा नहीं होनी है तब तक प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री बड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास करते रहेंगे। इस बीच हिमाचल में चुनाव प्रचार शुरू हो ...

गुजरात और हिमाचल प्रदेश में 2017 में एक महीने के अंतराल पर मतदान हुआ था लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे एक साथ 18 दिसंबर को आए थे। दोनों राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया एक साथ 20 दिसंबर को पूरी हुई थी। दोनों राज्यों की विधानसभाओं का गठन भी लगभग साथ साथ हुआ था और विधानसभाओं का कार्यकाल भी साथ साथ ही खत्म हो रहा था। तभी यह अंदाजा लगाया जा रहा था कि दोनों राज्यों में इस साल एक साथ चुनाव होंगे। लेकिन चुनाव आयोग ने सिर्फ हिमाचल प्रदेश में चुनाव की घोषणा की और गुजरात को छोड़ दिया। दो छोटे छोटे राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं कराने पर चुनाव आयोग ने इतने लचर दिए, जिन्हें सुन कर हैरानी हुई। चुनाव आयोग ने मौसम का हवाला दिया और कहा कि हिमाचल में बर्फ गिरनी शुरू हो उससे पहले चुनाव कराना था। अच्छी बात है। बर्फ गिरनी शुरू हो उससे पहले चुनाव के लिए 12 नवंबर का दिन तय हुआ। तो सवाल है कि उसी दिन गुजरात का चुनाव क्यों नहीं हो सकता था? किसी भी राज्य की विधानसभा का कार्यकाल छह महीने से कम बचा होता तो वहां चुनाव का फैसला आयोग को करना होता है। जैसे हिमाचल प्रदेश की पिछली विधानसभा का कार्यकाल जनवरी 2018 में खत्म हो रहा था लेकिन आयोग ने नौ नवंबर 2017 को ही चुनाव करा लिया था। उसी तरह गुजरात विधानसभा का कार्यकाल भी छह महीने से कम रह गया है तो आयोग उसकी तारीखों का फैसला कर सकता था। चुनाव आयोग ने परंपरा का हवाला दिया। यानी दोनों राज्यों में अलग अलग चुनाव घोषणा की परंपरा रही है। सोचें, इसका क्या मतलब है? जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग दोनों वन नेशन, वन इलेक्शन की बात करते हैं यानी पूरे देश में एक साथ लोकसभा और विधानसभाओं में चुनाव की बात करते हैं तो क्या तब उनको परंपरा का ख्याल नहीं आता है? एक साथ चुनाव कराने में क्या परंपराएं नहीं टूटेंगी? क्या आयोग को पता नहीं है कि ऐसी परंपराएं कितनी बार पहले टूट चुकी हैं? इसमें तो कोई बड़ी परंपरा भी नहीं टूटनी थी। दोनों राज्यों के वोटों की गिनती जब साथ होनी है तो चुनाव की घोषणा भी एक साथ हो सकती है और मतदान भी एक साथ हो सकता है। बहरहाल, चुनाव आयोग के इस फैसले से दोनों राज्यों और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा को बहुत फायदा होना है। जब तक गुजरात में चुनाव की घोषणा नहीं होनी है तब तक प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री बड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास करते रहेंगे। इस बीच हिमाचल में चुनाव प्रचार शुरू हो जाएगा, जिस पर फोकस करके भाजपा काम कर सकेगी। हिमाचल में जब मतदान हो जाएगा तब गुजरात में चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा और तब भाजपा के तमाम नेता वहां ध्यान केंद्रित करेंगे। गुजरात में भी आयोग दो या तीन चरण में मतदान कराएग। क्यों कराएगा वह सबको पता है। सोचें, जिन दो राज्यों में भाजपा अपनी जीत को लेकर सबसे ज्यादा आश्वस्त है वहां इस तरह के प्रबंधन हो रहे हैं!

आत्म पराजय का रास्ता

अब इस बात का पर्याप्त अनुभव है कि पहचान आधारित ध्रुवीकरण मुक्ति कोई मार्ग प्रशस्त नहीं करते। उलटे वे समाज को एक दुश्चक्र में फंसा देते हैं। जब पंजाब विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत के बाद पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने पंजाब और दिल्ली के सभी सरकारी दफ्तरों में महात्मा गांधी की तस्वीर हटा कर भगत सिंह और डॉ. बीआर अंबेडकर के फोटो लगाने का फैसला लिया, तो संभवतरू इसे पार्टी के नेता और दिल्ली में मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने अधिक गंभीरता से ले लिया। उन्होंने शायद यह सोच लिया कि अब सचमुच उनकी पार्टी भगत सिंह और डॉ. अंबेडकर के बताए रास्ते पर चलेगी। और इसीलिए उन्होंने श्अशोक विजय दशमीच पर उस समारोह में भाग लिया, जिसमें हिंदू देवी–देवताओं में आस्था ना रखने की उस प्रतिज्ञा को दोहराया गया, जो डॉ. अंबेडकर ने बौद्ध धर्म का अंगीकार करने के समय अपने अनुयायियों को दिलाई थी। मगर गौतम यह नहीं समझ पाए कि जिस उदार और प्रगतिशील माहौल में इस तरह की बहसें और कार्य में कोई जोखिम नहीं था, वो माहौल अब बदल चुका है। तो भारतीय जनता पार्टी ने दोहराए गए कार्य को मुद्दा बनाया। और केजरीवाल ने उसी गणना के तहत गौतम को सियासी तौर पर कुर्बान करने का फैसला किया, जिसके तहत उन्होंने डॉ. अंबेडकर की तस्वीरें लगवाई थीं।

बहरहाल, ये मसला सिर्फ किसी पार्टी या नेता से जुड़ा नहीं है। इसका संबंध व्यापक राजनीतिक वातावरण से है, जो गुरते वक्त के साथ में देश बनता गया है। कहा जा सकता है कि इस माहौल को बनाने में जाति और संप्रदाय की पहचान आधारित वैसी चर्चाओं ने भी योगदान किया है, जिन्होंने अपने अति–उत्साह में जवाबी ध्रुवीकरण को शक्ति दी। अब दुनिया में इस बात का पर्याप्त अनुभव है कि ऐसे ध्रुवीकरण– चाहे वो जिस तरफ से हों, मुक्ति कोई मार्ग प्रशस्त नहीं करते। उलटे वे समाज को ऐसे दुश्चक्र में फंसा देते हैं, जिनमें रोजमर्रा की जिंदगी के असली सवाल एजेंडे से हट जाते हैं। इससे लाभान्वित सत्ताधारी वर्ग अपनी सुविधा के मुताबिक ऐसे ध्रुवीकरणों को और हवा देते हैं। ऐसे में आस्था और पहचान की राजनीति उन समूहों के लिए आत्म पराजय का रास्ता बन जाती है, जो वंचित या हाशिये पर रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन तबकों के हितों की नुमाइंदगी का दावा करने वाली पार्टियां, नेता और बुद्धिजीवी अब भी इसे समझने में अक्षम बने हुए हैं।

मध्यप्रदेश ने जलाई हिंदी की मशाल

यदि अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई पर देश भर में प्रतिबंध लग जाए तो विभिन्न स्वभाषाओं में पढ़े लोग परस्पर संपर्क के लिए कौनसी भाषा का सहारा लेंगे ? हिंदी के अलावा वह कौनसी भाषा होगी ? वह और कोई भाषा हो ही नहीं सकती। इसीलिए मैं कहता रहा हूं कि कोई स्वेच्छा से अंग्रेजी तथा अन्य विदेशी भाषाएं पढना चाहे तो जरुर पढ़े, जैसे कि मैंने कई विदेशी भाषाएं सीखी हैं लेकिन देश में हिंदी तभी चलेगी ...

वेद प्रताप वैदिक

केरल, तेलंगाना और तमिलनाडु के क्रमशरू मुख्यमंत्री, मंत्री और नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि उनके प्रदेशों पर हिंदी न थोपी जाए। ऐसा उन्होंने इसलिए किया है कि संसद की राजभाषा समिति ने केंद्र सरकार की भर्ती–परीक्षाओं में हिंदी अनिवार्य करने और आईआईटी तथा आईआईएम शिक्षा संस्थाओं में भी हिंदी की पढ़ाई को अनिवार्य करने का सुझाव दिया है। एक तरफ दक्षिण भारत से हिंदी विरोध की यह आवाज उठ रही है और दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने भारत के भाषाई अंधकार में हिंदी की मशाल जला दी है।

उन्होंने एक गजब का एतिहासिक कार्य करके दिखा दिया है। उनके प्रय प्रतिशतों से एमबीबीएस के पहले वर्ष की किताबों के हिंदी संस्करण तैयार हो गए हैं। उनका विमोचन भोपाल में 16 अक्टूबर को गृहमंत्री अमित शाह करेंगे। गृहमंत्री के तौर पर राजभाषा को बढ़ाने के लिए अमित शाह के उत्साह को मैं तहे–दिल से दाद देता हूँ। अब 56–57 साल पहले जब मैंने अपना अंतरराष्ट्रीय राजनीति का पीएच.डी. थीसिस हिंदी में लिखने की मांग की थी तो देश में इतना हंगामा मचा था कि संसद की कार्रवाई कई बार स्थगित हो गई थी।

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सहित सभी शीर्ष विरोधी नेताओं ने मेरा समर्थन किया और उच्च शोध के लिए हिंदी ही नहीं, समस्त भारतीय भाषाओं के द्वार खुल गए लेकिन आज तक भारत में मेडिकल, वैज्ञानिक और तकनीकी पढ़ाई का माध यम अंग्रेजी ही बना हुआ है। कोई सरकार इस गुलामी से भारत को मुक्त नहीं कर सकी। यह काम मेरे आग्रह पर शिवराज चौहान और उनके स्वास्थ्य–शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने करके दिखा दिया। म. प्र. के उन मेरे मित्र डॉक्टर बंधुओं का भी हार्दिक अभिनंदन, जिन्होंने एमबीबीएस की हिंदी पुस्तकें तैयार करने में दिन–रात एक कर दिए।

मुझे विश्वास है कि देश के अन्य प्रदेशों की सरकारें अपनी–अपनी भाषाओं में इन अछूते विषयों पर ग्रंथ प्रकाशित करने की प्रेरणा भोपाल से ग्रहण करेंगी। केंद्र सरकार के लिए यह एक चुनौती है। वह हिंदी तथा अन्य भाषाओं में ऐसे ग्रंथ प्रकाशित करने का व्रत क्यों नहीं ले लेती? म.प्र. की चौहान सरकार ने देश के करोड़ों गरीबों, ग्रामीणों और पिछड़ों के बच्चों की प्रगति मार्ग खोल दिया है। जहां तक अ–हिंदीभाषी प्रांतों का प्रश्न है, उन पर हिंदी थोपने की कोई कोशिश नहीं होनी चाहिए।

यदि उनके बच्चों को भी उनकी उच्चतम शिक्षा उनकी मातृभाषा के जरिए दी जाने लगे तो वे हिंदी को संपर्क–भाषा के तौर पर सहर्ष स्वीकार कर लेंगे। दूसरे शब्दों में नरेंद्र मोदी और अमित शाह को षहिंदी लाओष का नहीं, ष्अंग्रेजी हटाओष का नारा देना चाहिए, जो काम महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी और डॉ लोहिया ने शुरु किया था और जिसे गुरु गोलवलकर जैसे महामनाओं ने भी आगे बढ़ाया था।

यदि अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई पर देश भर में प्रतिबंध लग जाए तो विभिन्न स्वभाषाओं में पढ़े लोग परस्पर संपर्क के लिए कौनसी भाषा का सहारा लेंगे? हिंदी के अलावा वह कौनसी भाषा होगी? वह और कोई भाषा हो ही नहीं सकती। इसीलिए मैं कहता रहा हूं कि कोई स्वेच्छा से अंग्रेजी तथा अन्य विदेशी भाषाएं पढना चाहे तो जरुर पढ़े, जैसे कि मैंने कई विदेशी भाषाएं सीखी हैं लेकिन देश में हिंदी तभी चलेगी जबकि स्वभाषाएँ सर्वत्र अनिवार्य होंगी।

संतुलन साधने में बिखरी कूटनीति!

बेलारूस इस युद्ध में रूस की मदद कर रहा है और यूरोपीय देशों ने बेलारूस को भी पाबंदियों की चेतावनी दी है। इससे यह भी लग रहा है कि और देश इस युद्ध की चपेट में आएंगे या शामिल होंगे। परमाणु संयंत्रों पर हमले या परमाणु हमले का खतरा रियल दिख रहा है। सोचें, अगर युद्ध बढ़ता है तो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए कितना बड़ा संकट पैदा होगा। महंगाई कहां पहुंचेगी, रूपया कितना गिरेगा...

अजीत द्विवेदी

जब से रूस और यूक्रेन का युद्ध शुरू हुआ है अपनी अलग–अलग मजबूरियों के कारण भारत लगातार संतुलन साधने की कूटनीति कर रहा है और इस प्रयास में भारत की कूटनीति पूरी तरह से बिखर गई है। इसमें जो तारतम्य होना चाहिए, जिस तरह की बारीकियां होनी चाहिए और अपने हितों को पूरा करने की स्पष्ट सोच दिखनी चाहिए वह नहीं दिख रही है। एक अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव आया, जिसमें यूक्रेन के चार हिस्सों को रूस में मिला लेने का विरोध किया गया। रूस ने इस प्रस्ताव को वीटो कर दिया लेकिन हैरानी की बात है कि भारत ने इस प्रस्ताव पर वोटिंग से गैर–हाजिर रहने का विकल्प चुना। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि वही प्रस्ताव अब संयुक्त राष्ट्र महासभा में रखने के लिए लाया गया तो रूस ने महासभा में गुप्त बैलेट से मतदान की मांग की, जिसको लेकर 10 अक्टूबर को वोटिंग हुई तो करीब एक सौ देशों के साथ भारत ने भी रूस के विरोध में वोट किया। हालांकि यह प्रक्रियागत मामले को लेकर वोटिंग थी, लेकिन भारत ने रूस का विरोध किया। और फिर महासभा में 12 अक्टूबर को वोटिंग की बारी आई तो फिर भारत वोटिंग से गैरहाजिर हो गया।

भारत पिछले आठ महीने से इसी तरह संतुलन बैठाने की कोशिश कर रहा है। आठ महीने में दो बार इसी तरह के मामलों में रूस के खिलाफ वोट किया और बाकी लगभग हर बार वोटिंग से गैरहाजिर रहा। भारत की कूटनीति इतनी रैंडम है कि कभी भारत के नेता और राजनयिक रूस को नसीहत देने लगते हैं तो कभी अमेरिका और यूरोप से लडने लगते हैं। समझ ही नहीं आता है कि भारत की कूटनीति किस दिशा में बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ देशों के सम्मेलन से इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की तो उनसे कहा कि युद्ध समाप्त होना चाहिए क्योंकि अभी युद्ध का समय नहीं है। हालांकि यह भी अजीब बात है क्योंकि कोई भी समय युद्ध का समय नहीं होता है और अगर कोई समय होता भी है तो वह कौन तय करेगा कि कब युद्ध का समय है? बहरहाल, पश्चिमी देशों ने प्रधानमंत्री की इस बात का समर्थन किया।

लेकिन फिर एक दिन भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अपना ज्ञान देने लगे कि भारत और रूस की दोस्ती तब से है, जब अमेरिका और पश्चिमी देश भारत को हथियार नहीं देते थे, बल्कि उन्होंने भारत की बजाय एक सैन्य तानाशाही वाले देश पाकिस्तान को मदद करने के लिए चुना था। यह बात उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस में कही। सोचें, ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत भी क्वाड का हिस्सा है, जिसका गठन चीन की विस्तारवादी नीतियों का जवाब देने के लिए हुआ है और सब जानते हैं कि चीन और रूस किस तरह से आपस में जुड़े हुए हैं, ऑस्ट्रेलिया के सामने चीन का कैसा खतरा है और ऑस्ट्रेलिया किस तरह से पश्चिमी देशों का सहयोगी है।

इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री के साथ प्रेस कांफ्रेंस में जयशंकर ने रूस से भारत की दोस्ती का राग छेड़ा और अमेरिका व पश्चिमी देशों पर निशाना साधा। इससे क्या हासिल हुआ या क्या हासिल होगा, यह कोई नहीं बता सकता है।

विदेश मंत्री से भी बड़े कूटनीति के जानकार भारत के पेट्रोलियम मंत्री हैं क्योंकि वे भी विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं और जयशंकर से सीनियर हैं। सो, मौके बे मौके वे भी कूटनीति पर बयान देते रहते हैं। उन्होंने पिछले दिनों बिना किसी खास संदर्भ के कहा कि भारत को जहां से मर्जी होगी वहां से कच्चा तेल खरीदेगा। यह बात उन्होंने रूस से तेल खरीद के मामले में कही। हकीकत यह है कि भारत सरकार रूस से तेल नहीं खरीद रही है। अमेरिका की पाबंदी के बाद भारत की सरकारी कंपनियों ने बहुत कम कच्चा तेल रूस से खरीदा है। भारत की निजी पेट्रोलियम कंपनियों ने जरूर रूस से सस्ता तेल खरीद कर उसे दुनिया के बाजार में महंगा बेचा और मुनाफा कमाया लेकिन सरकारी कंपनियों की खरीद बहुत मामूली रही है।

फिर भी पेट्रोलियम मंत्री पता नहीं किसको चिढ़ाने के लिए यह बयान दे रहे थे कि भारत को जहां से मर्जी होगी वहां से तेल खरीदेगा। अगर ऐसा ही मर्जी का मामला है तो इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम क्यों नहीं रूस से भरपूर सस्ता तेल खरीद रहे हैं और सरकार देश के लोगों को भी सस्ता तेल क्यों नहीं उपलब्ध करा रही है?

केंद्र सरकार के मंत्री और भाजपा के बड़े नेता प्रेस कांफ्रेंस करके दावा करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन का युद्ध रूकवा दिया था ताकि भारत के नागरिकों को यूक्रेन से निकाला जा सके। अगर ऐसा है तो भारत अपने इस असर का इस्तेमाल करके युद्ध खत्म कराने की पहल क्यों नहीं कर रहा है? इक्का दुक्का बयानों के अलावा भारत ने युद्ध खत्म कराने की कोई सक्रिय पहल नहीं की है। भारत ने कहा है कि वह शांति के हर प्रयास का समर्थन करने को तैयार है। लेकिन कैसे समर्थन करेगा? शांति का प्रयास कौन करेगा? भारत खुद क्यों नहीं पहल करता है? क्यों नहीं प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री रूसी प्रतिनिधियों से बात करते हैं, चीन और अमेरिका से बात करते हैं, यूरोपीय देशों से बात करते हैं और युद्ध खत्म कराने का ठोस प्रयास कर रहे हैं?

रूस और यूक्रेन युद्ध की वजह से यूरोप के कई देश मुश्किल में हैं। सर्दियां शुरू होने के साथ ही कई यूरोपीय देशों में भयंकर सर्दी और अंधेरे का शिकार होंगे, क्योंकि रूस पर लगी पाबंदियों की वजह से गैस और कच्चे तेल की आपूर्ति बंद या बहुत मामूली आपूर्ति हो रही है। यूरोपीय देशों की तरह भारत के सामने भी बड़ा संकट है। रूस से कच्चा तेल खरीदने में अंतरराष्ट्रीय पाबंदियों की बाधा है तो रूस की शह पर सउदी अरब और ओपेक देशों ने उत्पादन कम रखने का जो फैसला किया है उससे कच्चे तेल के दाम में बेहिसाब तेजी आनी तय है। अगर युद्ध बढ़ता है, जिसके आसार दिख रहे हैं तो तेल से लेकर अनाज तक हर चीज का संकट होगा। रूस ने जिस तरह से कर्च पुल टूटने के बाद यूक्रेन पर बमबारी की है और मिसाइल दागे हैं उससे युद्ध बढने की संभावना है।

बेलारूस इस युद्ध में रूस की मदद कर रहा है और यूरोपीय देशों ने बेलारूस को भी पाबंदियों की चेतावनी दी है। इससे यह भी लग रहा है कि और देश इस युद्ध की चपेट में आएंगे या शामिल होंगे। परमाणु संयंत्रों पर हमले या परमाणु हमले का खतरा रियल दिख रहा है। सोचें, अगर युद्ध बढ़ता है तो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए कितना बड़ा संकट पैदा होगा। महंगाई कहां पहुंचेगी, रुपया कितना गिरेगा, विकास दर कितनी कम होगी, अनाज की कैसी कमी होगी और रोजगार का क्या अभूतपूर्व संकट होगा! ऐसे समय में संतुलन बनाने की भारतीय कूटनीति से न भारत को कुछ हासिल हो रहा है और न अंतरराष्ट्रीय शांति में कोई योगदान हो पा रहा है।

श्री राम कथा सुनने की जिसमें भी ललक है वो धन्य है : पूज्य प्रेम भूषण जी महाराज

हरदोई।जिस किसी भी व्यक्ति में इस कलिकाल में श्रीराम कथा सुनने की ललक जगती है वो व्यक्ति सचमुच धन्य है। देवों के देव महादेव ने माता पार्वती के भगवान श्रीराम के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में कहा था। धन्य धन्य गिरिराज कुमारी । क्योंकि अपने रामजी की कथा पूछी। उक्त बातें श्रीराम कथा के मर्मज्ञ एवं सरस श्रीराम कथा गायन के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध प्रेम मूर्ति पूज्य श्री प्रेमभूषण जी महाराज ने कैम्ब्रिज स्कूल के प्रांगण में सप्तदिवसीय श्रीराम कथा के द्वितीय दिन की कथा का गायन करते हुए कही। माता पार्वती और बाबा भोलेनाथ के विवाह की कथा सुनने के बाद आगे प्रभु श्रीराम के प्राकट्य की कथा सुनाने के क्रम में कहा कि आजादी के बाद भी भारत की सरकार के प्रधान सेवकों को भगवान श्रीराम का पता ही नहीं मिल रहा था। सत्य तो हमेशा सत्य ही होता है। भगवान को सत्यनारायण कहा जाता है, झूठ नारायण नहीं कहा जाता है। जब सत्ता में एक तपस्वी व्यक्ति का आगमन हुआ तो रामजी का पता भी मिल गया और रामसेतु पर उठने वाले सवाल भी समाप्त हो गए। पूज्य श्री जी ने कहा कि जीवन में सत्य की ही उपासना करनी चाहिए। भगत कभी भी झूठ की उपासना नहीं करता है क्योंकि भगवान स्वयं सत्य स्वरूप हैं । अन्य प्रसंग की व्याख्या के क्रम में महाराज जी ने कहा कि सवर्गीय श्री उपेन्द्र तिवारी जी की स्मृति में माननीय रजनी तिवारी जी ने श्रीराम कथा का पावन संकल्प लिया और यह पूरा भी हो रहा है। रामजी की कथा को कामधेनु कहा गया है और यह मनुष्य को सबकुछ प्रदान करने वाली है। कथा सर्वदा सुख प्रदान करती है। शर्त केवल इतनी है कि कथा का श्रद्धा से श्रवण करें और अपने जीवन में उसे उतारने का भी प्रयास करें। पूज्य महाराज जी ने कहा कि जब हम स्वयं अनुशासन में रहने का अभ्यास कर लेते हैं तो फिर हमारे ऊपर शासन या प्रशासन की आवश्यकता नहीं होती है। राम राज्य में सभी लोग अनुशासन के अभ्यस्त थे। कथा प्रारम्भ होने से पूर्व कथा की मुख्य यजमान श्रीमती रजनी तिवारी जी, राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश ने कथा में उपस्थित श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए उनका स्वागत किया और पूरे परिवार सहित व्यासपीठ पर विराजमान विग्रह और पूज्य व्यास जी का पूजन किया तथा रामायण की आरती की।

लोक भवन में लगायी जाये समाजवादी चिन्तक नेताजी की मूर्ति:आदर्श

हरदोई।शहर के एक रेस्टोरेन्ट में प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के नि राष्ट्रीय सचिव आदर्श दीप मिश्र एडवोकेट हाई कोर्ट ने कहा कि आजाद भारत के सबसे बड़े धर्म निरपेक्ष्य नेता समाजवादी चिन्तक पूर्व रक्षामंत्रीधूर्व मुख्यमंत्री धरती पुत्र नेता जी मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा लखनऊ के लोक भवन में स्थापित की जाये जिसकी मांग मै उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से करता हूँ। नेताजी ने हमेशा धर्म निरपेक्ष्य होकर समाजवाद को बढ़ावा दिया कभी भी जाति धर्म वर्ग की राजनीति नही की अपने रक्षामंत्री कार्यकाल में कई ऐतिहासिक कार्य किये जिसमें शहीद सैनिको को उनके पार्थिव शरीर को उनके परिवार को सम्मान से सौपने व राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम संस्कार कराने का काम किया। जयप्रकाश नारायण राममनोहर लोहिया,जनेश्वर मिश्र के विचारो की आमजन तक पहुचाने का काम किया। उत्तर प्रदेश में जब नेताजी मुख्यमंत्री रहे तो किसानो की चुंगी एंव किसानो का ऋण माफ किया था। लोकतंत्र सेनानियों को पेंशन देने का काम, प्रदेश के अधिवक्ताओ को चेम्बर देने का काम जैसे हजारो ऐतिहासिक कार्य किये।समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता लोकतंत्र सेनानी प्रहलाद मिश्र ने कहा कि मै प्रदेश के सभी समाजवादी साथियो व पदाधिकारियो से अपील करना चाहता हूँ कि प्रत्येक जिले में नेताजी की प्रतिमा को स्थापित किया जाये। जिससे समाजवादी साथियो की तरफ से नेताजी को सच्ची श्रृद्वाजंलि होगी। प्रेसवार्ता में प्रमुख रूप से वरिष्ठ नेता हरी राम पाल,आलोक वर्मा ,अय्यूब खा,बिजय पान्डेय एडवोकेट प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बहादुर बेटियां फाउंडेशन का तेजस्विनी (उड़ान हौसलों की) कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बालिकाओं ने दिखाए अपना हुनर

हरदोई।बेटियों के हौसले, जज्बातों के संवर्धन हेतु राष्ट्रीय सामाजिक संस्था बहादुर बेटियां फाउंडेशन के बैनर तले प्रेक्षागृह में आयोजित तेजस्विनी(हौसले उड़ानों की) कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल,आध्यात्मिक गुरु डॉ राजेंद्र दत्त मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्षा प्रेमावती वर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्रा मधुर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य और विशिष्ट अतिथियों को प्रदेश अध्यक्ष श्रिया गुप्ता, संस्थापक रेशमा गुप्ता,संरक्षक डॉ चित्रा मिश्रा और उपाध्यक्ष सुधीर कुमार यादव द्वारा शॉल ओढ़ाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर,स्वागत और सम्मानित किया गया।आध्यात्मिक गुरु राजेंद्र मिश्रा के आशीर्वचन और प्रथम उद्बोधन में नारियों को सृजन शक्ति का परिचायक बताया। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म आदि काल से ही नारियों का सम्मान संरक्षित किया गया है।वेदों में भी कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का निवास होता है इसलिए नारियों को अपने आपको उपेक्षित कहना कतई गलत है, नारी अपनी शक्ति को पहचानें,उन्होंने कहा कि भगवान शंकर का अर्धनारीश्वर रूप यह प्रदर्शित करता है कि पुरुष और नारी एक दूसरे के पूरक हैं। नारी को अपनी मर्यादा,लज्जा और रक्षा की मर्यादा रखनी चाहिए, अगर इन मानदंडों से नारी आगे बढ़ेगी तो निश्चय ही उन्नति के रास्ते पर जाकर समाज को नया आयाम दे सकेगी।

उपाध्यक्ष सुधीर कुमार यादव ने बहादुर बेटियां फाउंडेशन द्वारा अब तक किए कार्यों का लेखा जोखा पेश किया गया।उन्होंने राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल,अध्यक्षा प्रेमावती,और नपा अध्यक्ष मधुर मिश्रा से महिला शक्तिकरण के लिए सहयोग मांगा।शहीद सैनिकों के आश्रितों की वीर नारियों में बेबी पत्नी अवधेश कुमार सिंह अलीगंज नन खेरिया, फिरदोस पत्नी आबिद खान कस्बा पाली, प्रेमलता पत्नी गज विजयेंद्र सिंह बैजूपुर, अमित यादव शहीद गिरजा शंकर यादव, बिटान देवी पत्नी केके सिंह आजाद नगर, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री राम भरोसे आर्य के पुत्र अरुण कुमार कुशवाहा को सम्मानित किया गया। जनपद के वीर भूतपूर्व सैनिकों को नपा अध्यक्ष सुख सागर मिश्रा और पंचायत अध्यक्षा प्रेमावती ने सूबेदार मेजर अशोक कुमारअग्निहोत्री,अध्यक्ष सैनिक संगठन, कैप्टन राजेश सिंह सोमवंशी, कैप्टन अमरनाथ शर्मा, सूबेदार उमेश कक्कड़, सूबेदार उमेश कुमार यादव, सूबेदार मेजर मशाल सिंह, कैप्टन मदन मोहन, सूबेदार महेंद्र पाल सिंह, सूबेदार मेजर योगेंद्र सिंह, सूबेदार मेजर हरिराम पांडे और सूबेदार मेजर खेमकरन जी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया

राज्यमंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि फाउंडेशन का काम सराहनीय है। प्रदेश सरकार महिला सशक्ति करण के लिए काम कर रही है आधी आबादी की सुरक्षा हेतु मिशन शक्ति से जागरूक्ता और आत्मनिर्भरता हेतु समूहों के माध्यम से जीविका का साधन मुहैया करा रही है।फाउंडेशन को सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा।अध्यक्षा प्रेमावती ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने बेटियों के सम्मान के लिए समाज में संदेश दिया।बेटियां समाज के लिए आइना हैं,शिक्षित होकर बेटियां समाज के लिए उदाहरण बनेंगी।

सेंट जेम्स स्कूल की बालिकाओं ने प्रार्थना नृत्य, प्रेरणात्मक गीत, उत्तर माध्यमिक ककराली खेड़ा समूह नृत्य,बाबू शिक्षा निकेतन समूह की बच्चों ने नृत्य और स्वागत गीत बहादुर बेटियां फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुति कर तालियां बटोरी। कार्यक्रम का समापन नपा अध्यक्ष सुख सागर मिश्रा मधुर व कुसुम लता गुप्ता रेशमा, संरक्षक डॉ चित्रा मिश्रा ने आए हुए अतिथियों और सम्मानित जनों का आभार व्यक्त कर किया।इस मौके पर फाउंडेशन के सहयोगी जनो में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष श्रिया गुप्ता, जिलाध्यक्ष मीना टंडन,जिला उपाध्यक्ष सोहिनी द्विवेदी, आलोक अग्निहोत्री एडवोकेट ,सुमित गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी, अरविंद यादव प्रदेश सचिव, श्रीमती स्नेह लता गुप्ता, प्रदीप कश्यप समेत फाउंडेशन के समस्त पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अपनी हक के लिये गोंड़ जाति आगे आये, लड़नी होगी लड़ाई

महारानी दुर्गावती के आदर्शों पर चलने की है जरूरत-शिवकुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। अखिल भारत वर्षीय गोंड़ महासभा के तत्वाधान में अलीदापुर गौराबाजार चौराहे पर कोया पुनेम पूजा समिति द्वारा गोंडी धर्म पूजन किया गया। महासभा के जिला अध्यक्ष शिव कुमार गोंड़ अनुयायियों को संबोधित करते हुए कहा, कोया पुनेम पूजा समिति के प्रारम्भ गोंडी धर्म पूजन के साथ जय बड़ा देव का पूजन एवं गोंडी धर्म के प्रवर्तक, संस्थापक गुरु पहांदी कुमार लिंगो का पूजन किया गया। आगे उन्होंने कहा कि महारानी दुर्गावती के आदर्शों पर चलते हुए महा सभा को मजबूत करें,वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा हमारे समाज के साथ अन्याय हो रहा है। जनजातियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। समाज के शैक्षणिक, समाजिक, आर्थिक जीवन मे बदलाव लाने हेतु ठोस कदम उठाया जाये। जगदीश प्रसाद, भूलन, रामराज, मुनीजर, रामनरायण, शिवपूजन सहित सभी गोंड़ समाज के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छत से गिरी लड़की को बिजली कर्मियों नें किया रेस्क्यू परिवार के लोगों ने दिया धन्यवाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। रविवार को दोपहर करीब दो बजे रवीता पुत्री छोटकू 16 वर्ष निवासी सोनखर डीह छत पर गेहूं उतारने गई थी,गेहूं उतारते समय पैर फिसलने से रवीता छत से नीचे गिर गई, चोट के कारण रवीता करीब दो घंटे बेहोश थी, उस समय गांव में कोई भी नाव मौजूद नहीं था। सोनखर डीह पूरी तरह से पानी से घिरा हुआ है, ऐसे में गांव से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। और ना ही गांव के लिए स्टीमर की व्यवस्था है, ऐसे में गांव वालों ने रवीता की हालत देख स्टीमर के लिए इधर उधर प्रयास करने लगे। जब इस बात की जानकारी जन कल्याण समिति के सचिव सच्चिदानंद मिश्रा पेंडारी गांव में बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री वितरण करा रहे थे। सच्चिदानन्द मिश्र को जानकारी हुई तो उन्होंने एस डी एम डुमरियागंज को फोन किया फोन स्विच ऑफ था। तभी तहसीलदार डुमरियागंज को उन्होंने फोन किया और पूरी जानकारी दी तहसीलदार डुमरियागंज नें तत्काल विजली कर्मचारियों को तत्काल रेस्क्यू के लिए मोटर बोट के द्वारा भेजा और लड़की की इलाज हुई। ऐसे में लड़की के घर वालों ने प्रशासन को धन्यवाद दिया। इस मौके पर रेस्क्यू टीम लालजी शर्मा विद्युत परिचालक, जयमोहन जायसवाल सुरक्षा प्रहरी ,अजय कुमार वर्मा आदि लोग मौजूद रहे ।

लूट के मछली सहित डीसीएम वाहन के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। मछली लदी हुई एक ट्रक (डीसीएम) नं0 एमएच 46 बीपी 3786 को इनोवा कार सवार 04 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ट्रक(डीसीएम) को रोककर ट्रक ड्राइवर व ट्रक में बैठे अन्य 02 व्यक्तियों के साथ मारपीट कर घायल कर देने व मछली लदी हुइ ट्रक, मोबाइल व कुछ पैसे को लूट ले जाने के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर 'थाना कोतवाली नगर पर मु0अ0सं0 930ध्2022 धारा 394, 504, 506 भादवि' बनाम इनोवा कार सवार 04 व्यक्ति अज्ञात के पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ सतपाल अंतिल द्वारा उक्त अभियोग के अनावरणध्ध गिरफ्तारी हेतु संबंधित को कड़े निर्देश दिये गये थे। इसी क्रम में आज दिनांक 16.10.2022 को थाना कोतवाली नगर के उ0नि0 दौलत यादव मय टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर थानाक्षेत्र के ताला रोड़ के पास से 'एक अभियुक्त मोहम्मद जीशान पुत्र मुराद अली नि0 स्टेशन रोड़ सीताराम गली भगवा थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़' को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त की निशानदेही पर थानाक्षेत्र के चिलबिला स्टेशन के पास से लूट की मछली सहित डीसीएम वाहन बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा पूछतांछ में बताया गया कि बरामद गाड़ी में मछली लदी हुई थी जिसकी जानकारी मेरे साथी तालिब जो फूलपुर प्रयागराज का रहने वाला है ने बताया कि यह गाडी मुम्बई से फूलपुर आ रही है तालिब अपने 02 अन्य साथियों के साथ मुझे इनोवा कार से साथ लेकर माल लूटने की योजना बनायी थी। हम सभी लोग राजापुर के पास ओवरटेक कर डीसीएम में बैठे 03 व्यक्तियों को अपनी इनोवा कार में बांध दिये तथा डीसीएम को लेकर भाग गये। लूटे गये मोबाइल व पैसे तालिब अपने दोस्तों के साथ ले गया है।

आकांक्षा समिति ने गोद लिये विद्यालय में कराया दीप सजावट कार्यक्रम का आयोजन

फिरोजाबाद ।आकांक्षा समिति ने एक जनपद एक विद्यालय योजना के अन्तर्गत गोद लिये गये प्राथमिक विद्यालय, सोफीपुर, फिरोजाबाद में दीप सजावट कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। दीप सजावट को सम्पन्न कराने से पूर्व समस्त कक्षाओं का निरीक्षण किया गया एवं कक्षा अध्यापकों को निर्देशित किया गया कि वे अच्छे से मेहनत करें और छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य निर्माण में योगदान दें। 10 सितम्बर को किये गये भ्रमण के दौरान साफ–सफाई के सम्बन्ध में दिये गये निर्देशों के क्रम में समिति द्वारा प्रत्येक कक्षा के एक–एक छात्र–छात्रा को पुरूस्कृत किया गया जिसमें कक्षा 5 के पारस, कक्षा 4 की विषाखा, कक्षा 3 की खुशी, कक्षा 2 के महेश एवं कक्षा 1 से लक्ष्मी को पुरूस्कृत किया गया एवं समस्त कक्षा के बच्चों को साफ सफाई के लिये प्रेरित किया गया। तथा ग्लोबल हैण्ड वाशिंग डे के उपलक्ष्य में समिति की अधयक्षा, सदस्य कल्पना राजौरिया व रहनुमा खानम के द्वारा हाथ धोने के तरीके के बारे में जानकारी दी एवं हाथ धुलने से होने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई।

दीप सजावट कार्यक्रम को सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में समिति द्वारा प्रत्येक कक्षा से 02 छात्र–छात्राओं को शिक्षकों सहायता से चुना गया एवं सजावट सामिग्री समिति द्वारा प्रदान की गई। समस्त छात्र–छात्राओं में सजावट के लिये अत्यधिक उत्साह देखा गया। आयोजित की गई सजावट प्रतियोगिता में कुल 10 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें कक्षा 02 की सोनी को प्रथम स्थान, कक्षा 05 की मिथलेश को द्वितीय तथा कक्षा 01 से विक्की को तृतीय स्थान मिला समस्त छात्र–छात्राओं को पुरूस्कार देकर पुरूस्कृत किया गया एवं समस्त छात्र–छात्राओं को प्रतिभाग करने के लिये प्रेरित किया गया। तथा दिवाली के पावन पर्व को सुरक्षित एवं हर्षोल्लास से बनाये जाने हेतु पटाखे ना चलाने की प्रेरणा भी समिति द्वारा दी गई। विद्यालय में स्थापित कराई गयी सोप बैंक में पुनः हाथ धुलने के लिये साबुन उपलब्ध कराये गये एवं व्यक्तिगत सफाई के लिये छात्र–छात्राओं को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में समिति की अध्यक्षा कृतिका प्रसाद रंजन, आस्था सिंह, अर्पणा दीक्षित, कल्पना राजौरिया, रहनुमा खानम सदस्यगणों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

अपनादल एस पार्टी के संस्थापक डॉ सोनेलाल पटेल को परिनिर्वाण दिवस पर किया याद

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। जनपद में अपनादल एस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संस्थापक डॉ सोनेलाल पटेल का परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें याद किया। कमेरों, शोषितों, वंचितों के मसीहा, सामाजिक न्याय की संकल्पना के साथ दूसरी आजादी का नारा देने वाले महानायक एवं अपनादल एस पार्टी के संस्थापक, यशःकायी डॉक्टर सोनेलाल पटेल जी का जीवन समाजहित के लिए समर्पित रहा। शोहरतगढ़, बाँसी, इटवा,नौगढ़ और डुमरियागंज तहसील में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा फूल अर्पित कर याद किया। शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने कहा डॉ सोनेलाल पटेल समाज के सच्चे नायक थे उनकी विचारधारा और सिद्धांत समाजहित के लिए समर्पित है। आज अपनादल एस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल उन्हीं के सपनो को साकार करने में लगी है जिसमें हम लोग तन मन धन से कार्य कर रहे हैं। जिला अध्यक्ष आत्माराम पटेल ने बताया यह कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर होना था लेकिन बाढ की भयावक स्थिति को देखते हुए जिले के सभी विधानसभाओं मे मनाया गया। यशःकायी डाक्टर सोनेलाल साहब का परिनिर्वाण दिवस उसी कर्म मे तिगोडवां (रामभारी) पथरा बजार मे अपना दल एस के संस्थापक महा मानव यशःकायी डाक्टर सोनेलाल पटेल के परिनिर्वाण दिवस पर जिलाध्यक्ष आत्मा राम पटेल ने सर्व प्रथम डाक्टर साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रध्दा सुमन अर्पित किया और लोगों को संबोधित करते हुऐ डाक्टर साहब के संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डाक्टर सोनेलाल पटेल साहब हमेशा किसान, कमेरा समाज, वंचित समाज, दलित, पिछडा मजदूर वर्ग के हितों को लेकर लडाई लडने का काम किये। उनका विचार हमेशा समाज के गरीब तथा निचले तबके को समाज मे बराबरी का हक हकूक दिलाने का पर आज ओ हमारे बीच नहीं लेकिन आज हम सबकी नेता अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय वाणिजय उधोग राज्य मंत्री आदरणीया बहन अनुप्रिया पटेल डाक्टर साहब के विचारों को लेकर सडक से संसद तक लडाई लडने का काम कर रही हैं। हम सबको डाक्टर साहब के विचार को जनपद के हर घर तक पहुचने का कार्य करना है। इस अवसर पर तमाम गांव वासी मौजूद रहे। कन्हैया लाल यादव,यार मोहम्मद, छोटू चौधरी, सहबाज खान, नूरुल्लाह, विमल गुप्ता साधू यादव, सुबराती, मकबूल खां, संतराम, जय प्रकाश चौधरी, अभिषेक चौधरी राम दास, इमामुद्दीन, नईमुद्दीन, आदि लोग मौजूद रहे।

किसान भाई आलू बीज के लिये 31 अक्टूबर तक करें आवेदन-जिला उद्यान अधिकारी

प्रतापगढ़। जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा ने किसान भाईयों को सूचित किया है कि जनपद प्रतापगढ़ में कृषकों के निजी प्रक्षेत्र पर आलू बीज उत्पादन कार्यक्रम में नगद मूल्य पर वितरण हेतु 150 कुन्तल का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। आलू बीज की प्रजाति कुफरी आनन्द आधारित प्रथम सीड साइज एवं कुफरी गरिमा आधारित प्रथम सीड साइज रूपये 3475 प्रति कुन्तल की दर से है। उन्होने कहा है कि जो कृषक भाई बीज उत्पादन हेतु विभागीय आलू बीज लेना चाहते है वे दिनांक 31 अक्टूबर 2022 तक अपने आवेदन खतौनी, आधार कार्ड की छायाप्रति सहित आलू बीज मूल्य की धनराशि कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी कटरा रोड प्रतापगढ़ पर जमा कर दें। आलू बीज का वितरण प्रथम आवक–प्रथम पावक के आधार पर किया जायेगा तथा निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर कोई विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा। अधिक जानकारी के लिये मोबाईल नम्बर 9792910052 व 8840121592 पर सम्पर्क कर सकते है।

बाढ़ पीड़ितो के बीच पहुचे अभिषेक पाल

बाढ़ प्रभावित लोगो को बाटा गया राहत सामग्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। अभिषेक पाल द्वारा तहसील डुमरियागंज के भनवापुर ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ग्राम धनवरा, नेगुआ, पेडारी

का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान अभिषेक पाल ने बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुँचकर बाढ़ प्रभावित लोगो का हालचाल जाना और उनके द्वारा बाढ़ पीड़ितो को लंच पैकेट, लाई, चना, साड़ी एवं पानी का का वितरण किया गया। अभिषेक पाल ने ग्रामीणो को विश्वास दिलाया कि सरकार एवं प्रशासन पूरी तत्परता के साथ लगा हुआ है। किसी को कोई परेशानी नही होने दी जायेगी। बाढ़ प्रभावित लोगो को राहत सामग्री एवं लंच पैकेट दिया जा रहा है किसी को भोजन आदि की समस्या नही होने पायेगी।

पत्नी को बुलाने के लिए चढ़ा पानी टंकी पर

देवरिया। तरकुलवा थाना परिसर के पास बनी पानी की टंकी पर पत्नी को बुलाने की जिद पर अड़े युवक ने शोले फिल्म के वीरू की याद दिला दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे उतारने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह कुछ भी मानने को तैयार नहीं था। वह कूदने की धमकी दे रहा था। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नीचे उतारा गया। जौनपुर जिले के जलालपुर थानाक्षेत्र के चवरी गांव के रहने वाले आनंद की पत्नी माधुरी थानाक्षेत्र के जलुआ गांव में बने जच्चा–बच्चा केंद्र पर लगभग तीन वर्ष से संविदा पर एएनएम के पद पर कार्यरत है। वह अपने बच्चों के साथ यहीं रहकर नौकरी करती है। माधुरी का पति से अक्सर विवाद होता रहता है। इस कारण वह पति से अलग रहती है। पति आनंद दोपहर में तरकुलवा थाना परिसर के समीप बनी पानी की टंकी पर चढ़कर पत्नी को बुलाने की मांग करने लगा। यह देखकर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसी बीच किसी ने सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को नीचे उतारने का काफी प्रयास किया, लेकिन युवक पत्नी को बुलाने की जिद पर अड़ा रहा। काफी मशक्कत के बाद कस्बे के दो युवक उसे पानी की बोतल देने के बहाने ओवरहेड टैंक पर चढ़ गए। युवकों ने उसे जबरदस्ती पकड़कर टंकी से नीचे उतारा। तब जाकर प्रशासन ने राहत की सांस ली। पत्नी से संपर्क किया गया तो उसने लखनऊ में पीईटी देने जाने की बात बताई। थानाध्यक्ष दिनेश मिश्रा ने बताया कि युवक को हिरासत में ले लिया गया है। उसकी पत्नी को कल थाने बुलाया गया है।

भागलपुर पुल से गुजरा ओवरलोड ट्रक, दरार हुई दो फीट

भागलपुर। पक्के पुल पर ओवरलोड वाहनों के गुजरने के दौरान पुल का ज्वाइंट दो फीट तक फैल गया। इसके चलते पुल तेजी से कांपने लगा। यह देखकर राहगीरों में हड़कंप मच गया। मरम्मत कार्य कर रहे कर्मचारियों ने सेतु निगम के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। आनन–फानन पहुंचे अधिकारियों ने तत्काल पुल से भारी वाहनों के गुजरने पर रोक लगा दी। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया। बलिया–देवरिया को जोड़ने वाले सरयू नदी पर बने भागलपुर पुल से भारी वाहनों का आवागमन हो रहा था। उसी वक्त पुल से एक ओवरलोड ट्रक गुजरा, जिससे पुल के छठवें पाये का ज्वाइंट स्प्रिंग दो फीट तक फैल गया। सूचना पर सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक एसपी सिंह व अवर अभियंता ने पहुंच कर जांच की। उसके बाद पुल पर तत्काल प्रभाव से भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई। दोनों तरफ सेतु विभाग के कर्मचारी भारी वाहनों का आवागमन रोकने के लिए लगा दिए गए। पुलिस ने कुंडौली से ट्रकों को लौटाया और बलिया जिले के उभांव थाने की पुलिस ने भी ट्रकों को लौटा दिया। जनवरी से ही मुंबई की कंपनी द्वारा दरार को ठीक करने के लिए मरम्मत कार्य हो रहा था। मरम्मत के बाद आवागमन शुरू होने के महीने भर में ही पुल में दरार और कंपन्न फिर बढ़ गई। भागलपुर पुल के रास्ते बलिया–मऊ–वाराणसी के अलावा गोरखपुर, बिहार के लोगों का आना–जाना होता है।

कुपोषित बच्चों के प्रति संवेदनशील रहकर कार्य करें स्वास्थ्य कर्मी

महराजगंज। पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों के प्रति स्वास्थ्य कर्मी संवेदनशील रहकर कार्य करें। बच्चों को पौष्टिक आहार व फल दिया जाए। अन्य व्यवस्था भी बेहतर रखें। ये बातें जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के साथ जिला संयुक्त चिकित्सालय स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के दौरान कहीं। डीएम ने जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड में सफाई व्यवस्था ठीक न होने पर तत्काल व्यवस्था को ठीक कराने का निर्देश सफाई प्रबंधक को दिया। उन्होंने भर्ती मरीजों के परिजनों के लिए स्वच्छ पेयजल, पथ प्रकाश व बैठने की उचित व्यवस्था करने का निर्देश मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को दिया। सफाई व्यवस्था से पालिका से समन्वय स्थापित कर कार्य करने को कहा। पुराने तहसील परिसर के निरीक्षण के दौरान कहा कि टैक्सी स्टैंड व अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का कार्य किया जाए। इस दौरान उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम, पुलिस उपाधीक्षक सुनील दत्त दूबे, मुख्य चिकित्या अधीक्षक एके द्विवेदी समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सड़क पर बस लगाए जाने पर रोडवेज कर्मियों को फटकाराः बस स्टेशन परिसर की बजाए सड़क पर बस लगाने पर जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने रोडवेज कर्मियों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि सड़क पर सवारी बैठाने व उतारने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है, ऐसे में बसों को अंदर लाने के उपरांत ही सवारी को उतारा व बैठाया जाए। यातायात निरीक्षक को भी निर्देश दिया कि यदि सड़क के किनारे बस खड़ी मिले तो उसका चालान करें। उन्होंने रोडवेज कर्मियों से कहा कि दक्षिणी गेट पर रखे गए गिट्टी व बालू को व्यवस्थित करते हुए बसों को बेहतर ढंग से खड़ी कराएं।

सुनील सदर, प्रदीप निचलौल एवं अतुल नौतनवा के अध्यक्ष बने

महराजगंज। जर्नलिस्टस प्रेस क्लब की तहसील इकाई का चुनाव हुआ। फरेंदा तहसील में चुनाव नहीं हुआ। सदर तहसील के अध्यक्ष सुनील यादव, निचलौल के प्रदीप एवं नौतनवां के अतुल जायसवाल को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा अन्य पदों पर भी चुनाव हुआ। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। निचलौल ब्लॉक सभागार में ..जर्नलिस्टस प्रेस क्लब निचलौल तहसील इकाई का चुनाव आयोजित हुआ। जिस दौरान अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए हुए मतदान में प्रदीप गौंड अध्यक्ष तो आशुतोष मिश्रा महामंत्री चुने गए। चुनाव पर्यवेक्षक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि चुनाव में उपाध्यक्ष पद के लिए प्रदीप गुप्ता, संगठन मंत्री के लिए कृष्ण कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष के लिए दिनेश वर्मा सहित सात कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए दो–दो उम्मीदवार होने के चलते मतदान कराया गया। अध्यक्ष पद के लिए प्रदीप गौंड ने 17 मतदान हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मनोज जोशी को चार मतों से शिकस्त देते हुए जीत हासिल की। इसी तरह महामंत्री पद के लिए आशुतोष मिश्रा ने 22 मतदान हासिल कर अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी दिनेश रौनियार को बड़े अंतर 14 मतों से हरा जीत हासिल की।

लोगों पर उल्टी–दस्त की रेड, इमरजेंसी में कम पड़ रहे बेड

देवरिया। उल्टी–दस्त से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इमरजेंसी में पीड़ितों की भीड़ के सामने संसाधन कम पड़ जा रहे हैं। वार्ड में बेड नहीं मिल पा रहे हैं। किसी बेड पर दो मरीजों का इलाज करना पड़ रहा है तो कुछ का स्ट्रेचर, बेंच पर इलाज किया जा रहा है। वहीं, कुछ लोगों को मजबूरी में फर्श पर लिटाकर ही ड्रिप चढ़ाई जा रही है। इससे मरीजों, तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उधर, शहर के रामनाथ देवरिया मोहल्ले के सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उल्टी–दस्त का प्रकोप बढ़ रहा है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पीड़ित अस्पताल पहुंच रहे हैं। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल की इमरजेंसी में रात व दिन में मरीजों की भीड़ से व्यवस्था अस्त–व्यस्त हो गई। स्वास्थ्य कर्मी भी मरीजों की अधिक संख्या होने से परेशान रहे। दोपहर तक इमरजेंसी में सोलह बेड उल्टी–दस्त के मरीजों से भर गए थे। तीन बेड पर दो–दो मरीजों का इलाज चल रहा था। वहीं, पंद्रह साल के सत्यम का इलाज स्ट्रेचर पर हो रहा था। अस्पताल में घुसते ही बगहा मठिया की सविता देवी को बेड नहीं मिला पाया था। वह फर्श पर लेटी थीं और ड्रिप चढ़ाई जा रही थी। मरीज के तीमारदार स्वास्थ्य कर्मियों को बार–बार बुला रहे थे। कर्मी एक मरीज के पास जाते तो दूसरे मरीज के तीमारदार पहुंच जा रहे थे। तीमारदारों के साथ वह भी परेशान थे। इमरजेंसी में शहर की सिंधी मिल कॉलोनी की संगीता कुशवाहा, राघवनगर मोहल्ले की सुमन तिवारी, भटवलिया की सुंदरी, बांस देवरिया के हरिंद्र प्रताप श्रीवास्तव भर्ती थे। वहीं, बांकी सिंगही की आशा देवी, पथरदेवा क्षेत्र के महुआडीह के हसमुद्दीन अंसारी, कुटी फुलवरिया की गमलावती, रजला की वंदना गुप्ता, उसरा की रीता, पैकौली महराज के शिवनाथ सिंह, बरारी की निरमा इलाज कराने पहुंची थी। चिकित्सक सभी को इंजेक्शन तथा ड्रिप चढ़ाने के लिए कह रहे थे। मरीजों को थोड़ा आराम मिलने पर वार्ड में शिफ्ट किया जा रहा था। उधर, अस्पताल के सर्जिकल वार्ड नंबर दो के दस बेड उल्टी–दस्त के मरीजों से भरे थे। पुराने मरीजों के अलावा तीन रामनाथ देवरिया मोहल्ले के गौतम, चंदन व गरुणपार मोहल्ले के सुनील को भर्ती कराया गया। महिला मेडिकल वार्ड में रामनाथ देवरिया मोहल्ले की राधिका देवी, तीजा देवी तथा लालचक भटनी की सविता देवी को भर्ती किया गया। यहां कुल 14 उल्टी–दस्त के मरीजों का इलाज चल रहा है। जबकि आठ लोगों को छुट्टी दी गई। वहीं, मेल मेडिकल वार्ड में भर्ती सात उल्टी–दस्त के मरीजों का इलाज चल रहा है।

रामनाथ देवरिया में तीसरे दिन भी स्वास्थ्य टीम ने किया भ्रमणः देवरिया। शहर के रामनाथ देवरिया मोहल्ले में उल्टी–दस्त से दो लोगों की मौत और लोगों के पीड़ित होने से स्वास्थ्य विभाग चौकन्ना है। भी चार टीमों ने मोहल्ले में घर–घर भ्रमण किया और लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी लीं। इस दौरान दो मरीज मिले, जिनका इलाज किया गया। पीएचसी रामनाथ के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. विनीत युवराज ने बताया कि उल्टी–दस्त के दो मरीजों का अस्पताल पर इलाज किया। जबकि टीमों के भ्रमण में दो लोग पीड़ित मिले। अब तक 46 मरीज मिले हैं। इनमें 27 लोग ठीक हो गए हैं। बारह लोग घर पर हैं। पांच का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। टीम मोहल्ले में नजर रखे हुए है। साथ ही लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है।

सीएचसी में कमियां मिलने पर दी हिदायत

गौरीबाजार/देवरिया। ग्राम्य विकास आयुक्त तथा जिले के नोडल अधिकारी जीएस प्रियदर्शी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरीबाजार, ब्लॉक मुख्यालय तथा नगर पंचायत स्थित कान्हा गोशाला का निरीक्षण किया। सीएचसी के कोविड वार्ड, महिला प्रसव कक्ष, नसबंदी कक्ष ओपीडी में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को हिदायत दी। नोडल अधिकारी .सुबह 11 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरी बाजार पहुंचे। उन्होंने सीएससी परिसर में वीरान पड़े आधा दर्जन से अधिक जर्जर भवनों को देखकर अधीक्षक डॉ. बीएन गिरि से नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने भवनों की मरम्मत कराकर उपयोगी बनाने या ध्वस्त कराने के निर्देश दिए। कहा कि इससे परिसर में गंदगी फैल रही है।

इसके बाद अस्पताल में पहुंचे। उन्होंने बारी–बारी से एक्स–रे कक्ष, नेत्र चिकित्सक कक्ष, दवा वितरण, पैथोलॉजी, ऑपरेशन थिएटर, प्रसव कक्ष, इमरजेंसी आदि का निरीक्षण किया। कोविड टीकाकरण की जांच से संबंधित उपकरणों के रखरखाव एवं कंप्यूटर सिस्टम में खराबी पर नाराजगी व्यक्त की और इसे शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए।

टीबी कक्ष के निरीक्षण में चिकित्सक से मरीजों की जांच के बारे में जानकारी ली और क्षेत्र भ्रमण से संबंधित रजिस्टर का अवलोकन किया। महिला वार्ड, लेबर रूम, पीकू वार्ड, इमरजेंसी, इंसेफेलाइटिस वार्ड आदि में गंदगी देखकर नोडल अधिकारी ने जिम्मेदारों को हिदायत दी। उन्होंने तत्काल साफ–सफाई के निर्देश दिए। महिला वार्ड में पर्दा लगाने तथा महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। नसबंदी वार्ड के निरीक्षण में ऑपरेशन के उपकरणों में जंग तथा गंदगी देखकर नाराजगी जताई। इसी बीच बिजली गुल होने के आधे घंटे बाद जेनरेटर से विद्युत आपूर्ति किए जाने पर उन्होंने जिम्मेदारों चेताया।

इस दौरान सीएमओ डॉ. राजेश कुमार झा, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. प्रवीण पाल, डॉ. केशव प्रसाद, डॉ. एजाज अहमद, महिला चिकित्सक, फार्मासिस्ट ओपी सिंह, बृजेश कुमार निषाद, अमित राय, पुष्पेंद्र प्रताप वर्मा एवं अन्य कर्मी मौजूद रहे।

यहां से नोडल अधिकारी ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने मनरेगा एवं विकास से संबंधित अन्य फाइलों का अवलोकन किया। खंड विकास अधिकारी विवेकानंद मिश्र व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके बाद गौरीबाजार चीनी मिल परिसर स्थित कान्हा गोशाला पहुंचे जिले के नोडल अधिकारी ने गोपूजन के बाद पशुओं को गुड़, चना, केला खिलाया।

उन्होंने पशुओं के रखरखाव साफ सफाई, उपलब्ध संसाधनों चोकर, खली, हरे चारे आदि की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। गोशाला की भूमि को समतल करने एवं खाली भूमि में बॉयोगैस प्लांट लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान अधिशासी अधिकारी कमलेश कुमार शाही, समीर, प्रवीण, छोटेलाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

फर्जी ई चालान भेजकर चूना लगाने में जुटे साइबर ठग

महराजगंज। साइबर ठगों से सावधान रहने की जरूरत है। फर्जी ई चालान भेज कर रकम हड़पने की फिराक में हैं। बीते एक माह में करीब 12 लोगों के पास फर्जी ई चालान का संदेश आया। विभाग से जानकारी लेने पर पता चला कि कोई चालान नहीं हुआ है। यातायात विभाग की तरफ से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। चालान होने के बाद कोई लिंक मोबाइल पर विभाग की ओर से नहीं भेजा जाता है। साइबर ठग मोबाइल नंबर एकत्र कर किसी के भी मोबाइल पर संदेश भेज दे रहे हैं। संदेश में लिंक पर आनलाइन चालान जमा करने के लिए कहा जाता है। आपने अपने दो पहिया वाहन पर तीन सवारियों को बैठा रखा था, दो पहिया वाहन को आप बिना हेलमेट लगाए चला रहे थे। कार चलाते समय आपने सीट बेल्ट नहीं नहीं लगा रखी थी। आपकी गाड़ी ओवर स्पीड थी। कुछ ऐसे ही मैसेज इन दिनों लोगों के मोबाइल फोन पर आ रहे हैं। संदेश में कहा जाता है कि आपका ई– चालान किया गया है। आपको पांच हजार रुपये नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन जमा करना है। लिंक से जुर्माने का भुगतान होने के बाद पता चलता है कि उनके वाहन का चालान ही नहीं हुआ था और वह साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं। जिले में इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। आजकल वाहनों के नंबर के आधार पर ही उसके मालिक के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने वाले कई एप इंटरनेट पर मौजूद हैं। साइबर ठग वाहनों के नंबर से वाहन स्वामी की डिटेल के साथ ही उसका रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर भी ले लेते हैं। इसके बाद संदेश भेजकर चूना लगाने की कोशिश कर करते हैं।

जागरूकता पर जोर, सफाई व्यवस्था कमजोर

मच्छर से बचाव के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने से बढ़ी परेशानी

महराजगंज। जिले में डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है। पिछले डेढ़ महीने में डेंगू के 11 मरीज मिले हैं। मरीजों के सामने आने के बाद हरकत में आए स्वास्थ्य विभाग ने दवा का छिड़काव शुरू करा दिया है। वैसे विभाग की ओर से बीमारी की रोकथाम के लिए पूरे साल प्रयास चलता है। मलेरिया विभाग की टीम मोहल्ला–मोहल्ला घूम कर लोगों को जागरूक करती है, लेकिन सफाई व्यवस्था बदहाली पूरी कोशिश पर पानी फेर देती है। सड़क किनारे और गलियों में फैला कूड़ा, टूटीं नालियां, सड़कों पर बहता गंदा पानी, जलभराव लोगों में डेंगू बांट रहे हैं। जिले में डेंगू मरीजों के इलाज की पर्याप्त व्यवस्था है। सभी सीएचसी पर एक–एक और जिला अस्पताल में छह बेड आरक्षित हैं। बीमारी से बचाव के लिए जागरुकता फैलाने के लिए जिले में चार टीम है। हर टीम में चाल लोग शामिल हैं, जो घर–घर भ्रमण कर लोगों को डेंगू से बचाव का तरीका बताते हैं। लोगों को जागरूक करते हैं कि वे घर में और आसपास सफाई रखें। कहीं भी पानी जमा न होने दें। मच्छर से बचाव के उपाय अपनाएं, लेकिन शहर से गांव तक सफाई व्यवस्था बदहाल होने की वजह से कोशिश बेकार जा रही है। सिंदुरिया गांव के मोनू एक अक्तूबर को डेंगू पॉजिटिव मिले। गांव के चार टोलों की आबादी 5500 के करीब है। यहां सफाई व्यवस्था बदहाल है। दो सफाई कर्मियों की तैनाती है, लेकिन हर ओर गंदगी दिख जाती है। मुरली वाली टोला, भगवानपुर टोला, मंगलपुर टोला और सड़क टोला में नालियां गंदगी से पटी हैं। मदरसे के पास कूड़े का अंबार लगा है। गांव में करीब पांच माह पूर्व फॉगिंग हुई थी। ग्राम सभा निवासी गोविंद जायसवाल ने बताया कि मच्छर का प्रकोप अधिक है, जिससे लोग बीमारी के चपेट में आ रहे हैं। दब्बीर हसन, संजय ने बताया कि नालियों में चूने का छिड़काव नहीं होता। पौहारी ने बताया कि गांव में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है। ग्राम प्रधान केशव यादव ने बताया कि स्वच्छता मद में 25 हजार रुपये मिले थे, जिससे फॉगिंग कराई गई थी। शहर के जयप्रकाश नगर मोहल्ले में सायला डेंगू से पीड़ित हुई थीं। इलाज के बाद वह स्वस्थ हैं। मोहल्ले में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है। गंदगी की वह से लोग बीमार हो रहे हैं। पिछले डेढ़ माह में सदर ब्लॉक में छह, सिसवा में तीन, मिठौरा व नौतनवां में एक–एक मरीज मिले हैं।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही राप्ती, चंदन स्थिर

महराजगंज। जिले में बहने वाली राप्ती नदी में भी जलस्तर बढ़ा मिला। नदी के खतरे के निशान से 0.44 मिलीमीटर ऊपर बहने से बंधे के किनारे रहने वाले ग्रामीणों की चिंता बढ़ी हुई है। वहीं, रोहिन, गंडक व प्यास नदी के जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। चंदन नदी स्थिर होकर बहती मिली। अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड द्वितीय राजीव कपिल ने बताया कि .. तुलना में राप्ती नदी के जलस्तर में 0.01 मिलीमीटर की बढ़ोतरी पाई गई। रोहिन नदी के जलस्तर में 0.57 मिलीमीटर, गंडक नदी के जलस्तर में 1.60 मीटर तथा प्यास नदी के जलस्तर में 0.10 मिलीमीटर की गिरावट पाई गई। चंदन नदी स्थिर होकर बहती मिली। महाव नाले में भी आधे फीट की कमी पाई गई।

जिलाधिकारी ने किया बाढ़ प्रभावितों को वितरित की जा रही राहत सामग्री की गुणवत्ता का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ महेंद्र कुमार द्वारा मंडी समिति पहुंचकर बाढ़ प्रभावितों को वितरित की जा रही राहत सामग्री किट की गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित फर्म को गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्रता से तहसीलों को राहत सामग्री किट पहुंचाए जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने बताया कि तीनों तहसीलों के बाढ़ प्रभावित ग्रामों के पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री किट वितरित किया जा रहा है। अब तक 35 हजार से अधिक पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री किट वितरित किया जा चुका है। राहत सामग्री किट के गुणवत्ता के जांच के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

सीएम योगी गोरखपुर को देंगे तीन अरब का प्री दिवाली गिफ्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर । दिवाली की तैयारियों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर को दो दिन में तीन अरब रुपये के विकास कार्यों का प्री दिवाली गिफ्ट देंगे। सीएम मंगलवार को गोरखपुर नगर निगम परिसर में आयोजित समारोह में निगम की 215.97 करोड़ रुपये की लागत वाली 226 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। इसी समारोह में सीएम के हाथों गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के 62.84 करोड़ रुपये के 54 विकास कार्यों का भी शिलान्यास किया जाएगा। दिवाली के पहले दिए जा रहे विकास कार्यों के सौगात के क्रम में मुख्यमंत्री बुधवार को 2.12 करोड़ रुपये से बने नगर पंचायत कस्बा संग्रामपुर उर्फ उनवल के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करने के साथ 20.27 करोड़ रुपये की लागत वाली उनवल बाईपास सड़क जनता को समर्पित करेंगे। मंगलवार शाम करीब चार बजे से नगर निगम परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा निगम की 209.88 करोड़ रुपये की 188 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 6.09 करोड़ रुपये के 38 कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। साथ ही वह जीडीए के 62.84 करोड़ रुपये के 54 कार्यों का शिलान्यास करते हुए निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेंगे। जीडीए के इन प्रस्तावित सड़क व नाली निर्माण कार्यों को त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत मंजूरी मिली है। जबकि लोकार्पण व शिलान्यास वाली नगर निगम की परियोजनाओं में त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत सड़क, नाली निर्माण के साथ ही वार्डों में पार्षद वरीयता के कार्य, वार्डों में लाइट, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, वेस्ट मैनेजमेंट हेतु एमआरएफ सेंटर निर्माण, नलकूप, मिनी नलकूप तथा पंप हाउसों के निर्माण कार्य शामिल हैं।

- **2.12 करोड़ रुपये की लागत से बने उनवल नगर पंचायत भवन का लोकार्पण बुधवार को**
- **20.27 करोड़ रुपये की लागत से उनवल बाईपास को करेंगे जनता को समर्पित**

नगर पंचायत उनवल को सीएम योगी दें सकते और भी सौगात

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर । बुधवार सुबह सीएम योगी नगर पंचायत कस्बा संग्रामपुर उर्फ उनवल में नगर पंचायत के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। इस नगर पंचायत के गठन का श्रेय भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। 29 जून 2017 में इस नगर पंचायत के गठन के साथ ही चेयरमैन उमाशंकर निषाद के कार्यकाल में अब तक 149 विकास कार्यों के लिए 12.85 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की जा चुकी है। नगर पंचायत भवन के उद्घाटन समारोह में सीएम योगी बहुप्रतीक्षित उनवल बाईपास का भी लोकार्पण करेंगे। 3.50 किमी लंबे उनवल बाईपास के निर्माण की लागत 20.27 करोड़ रुपये है। इस बाईपास के बन जाने से उनवल क्षेत्र के लोगों को जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इसके अलावा सीएम योगी नगर पंचायत उनवल को कुछ और भी सौगात दे सकते हैं।

ताल्लुकेदार इंटर कॉलेज टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। के बाबू के डी सिंह स्टेडियम में ताल्लुकेदार इण्टर कालेज कप टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट 2022 का आयोजन सतरिख चेयरमैन रेहान कामिल, और मनीष सिंह के द्वारा कराया गया। इस टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेश महासचिव अरविंद कुमार सिंह गोप ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर पुरस्कार वितरण किया। आज क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच सीतापुर और गाजियाबाद की टीम के बीच खेला गया।सीतापुर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ ओवर में अठठानबे रन बनाकर आउट हो गई।अवध क्रिकेट टीम गाजियाबाद ने स्कोर का पीछा करते हुए चार बाल शेष रहते हुए अपना लक्ष्य प्राप्त कर लिया। और जीत का परचम लहरा दिया। इस तरह गाजियाबाद की टीम को विजेता घोषित किया गया। विजेता टीम को टेनिस बाल एसोशियेशन की तरफ से दो लाख एक्क्यावन हजार रुपए का पुरस्कार और ट्राफी मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद सिंह गोप के हाथों प्रदान की गई। वहीं उपविजेता सीतापुर की टीम को ट्राफी के साथ एक लाख इक्यावन हजार रुपए चेयरमैन रेहान कामिल के हाथों प्रदान किया गया। इस मौके पर पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने कहा कि बाराबंकी खेल जगत में अपना अलग स्थान रखता है यहां से बड़े बड़े खिलाड़ियों ने अपने जनपद का नाम रौशन किया है।यह टेनिस बाल टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार हमारे छोटे भाई रेहान कामिल के प्रयासों से हो पाया है जिसमें पूरे प्रदेश की टीमों ने भाग लिया है मैं गाजियाबाद की टीम जिसने मैच को जीता है बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।और मेरी शुभकामनाएं उपविजेता टीम को भी है जिसने बड़ी मेहनत के बाद फाइनल तक पहुंच सके हैं। इस खेल के बाद उन्हें आगे इससे अच्छा खेलना होगा उनको ठीक से विचार करना होगा की यह मैच किस कारण से हारे हैं। खेल में हार जीत लगी रहती है।इससे कभी निराश न होना चाहिए। हमारी सरकार ने खिलाड़ियों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाई थी पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में इकाना अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का निर्माण कराया हम उनको बधाई देते हैं। उसके साथ साथ तमाम खिलाड़ियों को सम्मान से भी नवाजा इसके लिए भी बहुत बहुत बधाई राष्ट्रीय अध्यक्ष को जिन्होंने खिलाड़ियों का मान और सम्मान बढ़ाया।

इस मौके पर मौजूद लोगों में पूर्व विधायक राम गोपाल रावत, नसीम कीर्ति, हशमत अली गुड्डू, उसामा कामिल, धनंजय शर्मा डब्बू, अंकुर माथुर, अंकुल सिंह,जावेद अहमद, मनीष सिंह, फराज जुबैरी, काजी फैसल, पुनीत वर्मा,कपिल सिंह, नफीस अली, प्रियांशु, फहीम अजीज, नजरूल हसन, मोहम्मद सुजात, अली भाई, फरहान अजीज, आकिब सुबूर, असद फरीद आदि तमाम खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

भिक्षावृति कर रहे बच्चों की सूचना को एडीएम ने लिया संज्ञान, 9 बच्चे भिक्षावृति से हुए मुक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र थाना चोपन अंतर्गत बेरियर से

लेकर डाला वैष्णो मंदिर तक भिक्षावृति कर रहे बच्चो के संबध में महिला सुरक्षा एवं जनसेवा ट्रस्ट सोनभद्र द्वारा जिला प्रशासन को रविवार की सायं अवगत कराया गया था जिसे तत्काल संज्ञान में लेते हुए अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्रा द्वारा जिला बाल संरक्षण अधिकारी को निर्देशित किया की तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए अवगत कराए जिसके संबध ने जिला बाल संरक्षण अधिकारीधजिला प्रोबेशन अधिकारी राजेश कुमार खैरवार द्वारा तत्काल ओ आर डब्लू शेषमणी दुबे जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र व थाना एचटीयू प्रभारी रामजी यादव,आरक्षी धनंजय यादव,अमन द्विवेदी की संयुक्त टीम को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया की तत्काल बच्चों का चिन्हांकन करते हुए उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से लाभान्वित कराए। जिस पर संयुक्त टीम द्वारा संज्ञान लेते हुए आज दिनांक 17 अक्तूबर को थाना चोपन अंतर्गत बेरियर से लेकर डाला वैष्णो मंदिर तक भिक्षावृति कर रहे कुल 9 बच्चो को महिला सुरक्षा एवं जनसेवा ट्रस्ट अध्यक्ष सावित्री देवी, राकेश केशरी के सहयोग से चिन्हित कर अपनी अभिरक्षा में लेते हुए बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया व बाल कल्याण समिति के आदेश के उपरांत संस्था में आवासित कराया गया। उक्त प्रकरण में जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया की भिक्षावृत्ति में चिन्हित पात्र बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य से लाभान्वित कराया जायेगा। शेषमणि दुबे ने आम जनमानस से निवेदन किया की भिक्षावृत्ति कुप्रथा को रोकने के लिए भिक्षावृत्ति कर रहे बच्चों के बारे में अवगत कराए साथ ही भिक्षावृत्ति कर रहे बच्चों को पैसा न देवे बल्कि उनको भोजना व अन्य जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराए।

धोखाधड़ी करने वाले चार अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र निवासी भोलानाथ पाल ने बीते महीने 22 सितम्बर को लीलापुर पुलिस से शिकायत की थी कि जमीन समतलीकरण व बाउंड्री कराने के नाम पर झांसा देकर अज्ञात लोगों ने तीन लाख पचास हजार रूपए ले लिए थे । जिसकी शिकायत के बाद लीलापुर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत हुआ था। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ सत्यपाल अंतिल के निर्देश पर आज मुखबिर की सूचना पर कमोरा पूरे पांडे चौकी इंचार्ज देवीदयाल कश्यप ने बोझवा मोड़ से 1– रईस उर्फ मंसूर पुत्र मुगल खान निवासी एंधी थाना गौरीगंज जनपद अमेठी, 2–सद्दाम हुसैन पुत्र हासीम निवासी एंधी थाना गौरीगंज जनपद अमेठी, 3–हुसैन पुत्र दिलदार निवासी एंधी थाना गौरीगंज जनपद अमेठी, 4–मो० यासीन पुत्र कदम खां निवासी एंधी थाना गौरीगंज जनपद अमेठी को 2350 रुपऐ व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। घटना में सम्मिलित आरोपियों का एक साथी और था। उसकी तलाश जारी है।जानकारी क्षेत्राधिकारी लालगंज रामसूरत सोनकर ने देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक सत्यपाल अंतिल व पुलिस उपाधीक्षक रोहित मिश्र के निर्देश पर व कमोरा पूरे पांडे चौकी इंचार्ज देवी दयाल कश्यप की सतर्कता से अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गई है।

डीपीआरओ ने पंचायत भवन का किया निरीक्षण

पूर्व प्रधान प्रतिनिधि ने ग्राम पंचायत सचिव को पंचायत की भूमि नापी के लिए दिया प्रार्थना पत्र

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा विकास खंड के ग्राम पंचायत मधुपुर में पंचायत भवन चहदिवारी बनाने के पूर्व पूर्व प्रधान प्रतिनिधि महेंद्र प्रताप सिंह द्वारा ग्राम समाधान दिवस पर पंचायत भूमि की नापी कराने के संदर्भ में ग्राम पंचायत सचिव दीपक कुमार को प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें लिखा है कि जिस आराजी नम्बर में पंचायत भवन का निर्माण कराया गया है उस आराजी नम्बर की भूमि मौके पर नहीं है। वर्तमान विकास कार्यवाही योजना में छड़दिवारी का निर्माण कराया जाना है जिला प्रशासन व ग्राम प्रधान से मांग की गयी है कि पंचायत की जितनी आराजी नम्बर है उसकी नापी कराकर चहार दिवारी का निर्माण कराया जाय साथ ही साथ जिला पंचायत राज अधिकारी बिशाल सिंह द्वारा पंचायत भवन का औचक निरीक्षण किया गया और सीआरसी का निर्माण कराने के लिए ग्राम पंचायत के जमीन की स्थलीय निरीक्षण किया गया। उक्त अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि प्रवीण सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल, सचिव दीपक कुमार, रोजगार सेवक, कम्प्यूटर आपरेटर समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्षेत्र के ग्राम चौरा बिजौरा में जोनल क्यूआरटी मय पीएसी बल द्वारा की गयी सघन काम्बिंग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र मे नक्सली संचरण पर प्रभावी रोकथाम रखने, दूरस्थ व पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों से समन्वय स्थापित रखने व जनता में सुरक्षा की भावना बनाये रखने एवं अभिसूचना संकलन के उद्देश्य से सोनभद्र पुलिस द्वारा नियमित रुप से नक्सल प्रभावित क्षेत्र में सघंन काम्बिंग किया जाता है। इसी क्रम मे आज दिनांक 17.10.2022 को क्षेत्राधिकारी ओबरा शंकर प्रसाद के नेतृत्व मे थाना जुगैल क्षेत्र के चौरा बिजौरा में थानाध्यक्ष जुगैल, जोनल क्यूआरटी तथा पीएसी बल के साथ सघन कांबिंग की गई । इसी प्रकार थाना पन्नूगंज पुलिस द्वारा ग्राम सिरसी तथा नेवारी के जंगलों में मय पीएसी, चौकी अमवार पुलिस द्वारा ग्राम भीसुर एवं गोंहड़ा में पीएसी बल के साथ तथा चौकी कस्बा घोरावल पुलिस द्वारा क्षेत्र के ग्राम भैसवार में च।ब् बल के साथ सघन काम्बिंग की गयी। इस दौरान स्थानीय लोगों से वार्ता कर उन्हें किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर या नक्सली संचरण के विषय मे जानकारी होने पर तत्काल पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने हेतु बताया गया।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

बुद्ध का संदेश

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक

स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक

राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917,9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

दलित महिला को गांव का प्रेमी लेकर फरार, नहीं हुई कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। एक गरीब व्यक्ति की लगभग 8 वर्ष पूर्व एक ही थाना क्षेत्र से शादी हुई थी जिसके एक 4 वर्ष का मासूम बच्चा

भी है और पति मजदूरी करने के लिए बाहर गया हुआ था उसी वक्त गांव के ही एक वर्मा समुदाय के अमरीश कुमार पुत्र अमर सिंह ने अपने ही गांव की एक दलित विवाहित महिला को अगवा कर लिया है पति का कहना है की महिला घर से 10,000 नकदी तथा चांदी के 1 किलो जेवरात लेकर फरार हो गई है जिस के संबंध में जैदपुर थाने पर लिखित शिकायत की गई परंतु कोई कार्यवाही नहीं हुई और शिकायतों के बाद जैदपुर पुलिस पीडित पति को ही रात भर थाने पर बैठाए रही जहां फिर पति का 4 वर्षीय बच्चा घर पर रोता विलखता रहा लेकिन जैदपुर पुलिस को अपनी मां से छूटे मासूम बच्चे के प्रति जरा भी दया नहीं आई पुलिस को यह डर था कि कहीं उच्च अधिकारियों से पेपर की शिकायत ना कर दे वही इस संबंध में जब जैदपुर प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र सिंह से बात हुई तो उन्होंने बताया यह परिवाद है न्यायालय के आदेश पर ही मुकदमा लिखा जाएगा और वह महिला जो जेवरात और पैसे ले गई है तो अपना ले गई है किसी दूसरे का नहीं वही सिओ सदर का कहना है कि हमें इस मामले की जानकारी नहीं है जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी पति का आरोपप है कि जैदपुर पुलिस आरोपी को बचाती है एक भी बार आरोपी के घर पूछने तक नहीं गई और केवल हमें से पूछती है और बराबर फोन करती है हम यूं ही अपने बच्चे और परिवार से परेशान हैं पुलिस हमें मानसिक रूप से भी परेशान करती है।

बिजली बिल वसूली को लेकर देवा में लगा कैंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। विद्युत विभाग देवा के उपखंड अधिकारी के निर्देशन

में मऊजानीपुर ग्राम पंचायत के हाजीहार गांव में सोमवार को विद्युत विभाग की ओर से बिजली बिल वसूली को लेकर कैंप लगाया गया। कैंप में करीब 22 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए और बकाया बिजली बिल जमा किया। और उपभोक्ताओं की समस्याओं का निस्तारण भी किया गया इस दौरान विभाग के कर्मियों ने बताया कि जिनका अधिक बकाया है उनका मीटर उतार लिया जा रहा है उपभोक्ताओं के कनेक्शन का फोर्स पी.डी. किया जा रहा है जिससे उपभोक्ताओं का बिल ना बढ़े इस मौके पर विद्युत शिविर में बिजली विभाग के अयान सिद्दीकी, ओमप्रकाश मौर्य, राकेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, दिलीप कुमार, धनीराम आदि विद्युत कर्मी उपस्थित थे।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा मसौली में गोल्ड लोन की सुविधा हुई शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली/बाराबंकी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा मसौली

में गोल्ड लोन शुरू होने से अब ग्रामीण क्षेत्र की जनता को गोल्ड लोन के लिए दूरस्थ बैंकों के चक्कर नही लगाना पड़ेगा बैंक कम समय मे उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के लिए तैयार है। यूनियन बैंक आफ इंडिया शाखा मसौली की प्रबन्धक नीलिमा वर्मा ने बताया कि जीवन में कई बार लोगों को कुछ इमरजेंसी फंड की आवश्यकता पड़ती है, क्योंकि जल्द धन की व्यवस्था मुश्किल होती है. इस तरह के संकट के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने गोल्ड लोन देना शुरू किया है उन्होंने बताया कि गोल्ड लोन एक ओर जहां जल्द मिल जाएगा वहीं ब्याज दर 7.90 प्रतिशत सालाना है साथ 22 कैरेट पर 75 प्रतिशत व 18 कैरेट पर 65 प्रतिशत लोन दिया जायेगा।

पुलिस लाइन सभागार में महिला बीट आरक्षियों की गोष्ठी का किया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी द्वारा पुलिस लाइन स्थित सभागार में महिला बीट आरक्षियों की गोष्ठी की गई। गोष्ठी में महिला बीट आरक्षियों द्वारा पिछले महीने में किए गए कार्यों का मूल्यांकन किया

गया साथ ही साथ निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से महिला चौपाल का आयोजन किया जाए, साथ ही साथ महिलाओं और युवतियों की समस्याओं के बारे में प्राप्त प्रार्थना पत्र का मौके पर निस्तारण कराया जाए। महिला बीट में महिलाओं के व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं उसमें लगातार महिलाओं की समस्याओं पर वार्ता कर महिला सम्बन्धी अपराध के मामलों की जानकारी महिलाएं बीट आरक्षी को प्रदान करें। महिला बीट आरक्षियों को बीट बुक को अद्यावधिक करने हेतु निर्देशित किया गया।

पति की प्रताड़ना से तंग विवाहिता ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या का किया प्रयास

दैनिक बुद्ध का संदेश

प्रतापगढ़। पति की प्रताड़ना से तंग आकर एक विवाहिता ने अपने दो वर्षीय पुत्र के संग ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। जनपद के अंतू थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव की रहने वाली दीक्षा सिंह पत्नी सूरज सिंह का मायका जौनपुर जनपद के रामपुर थाना क्षेत्र के गौरा पट्टी गांव में है। दीक्षा का विवाह तीन वर्ष पहले सूरज सिंह के साथ हुआ था। उसके दो वर्ष का एक बच्चा है। विवाहिता का आरोप है कि उसका पति विवाह के बाद से ही उसे प्रताड़ित करते हैं। जिसके चलते वह मानसिक रूप से परेशान रहती है। रविवार को शाम उक्त विवाहिता अंतू रेलवे स्टेशन पहुंची उस समय वाराणसी से दिल्ली जा रही काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस ट्रेन प्लेटफार्म पर आ रही थी अचानक विवाहिता ने अपने दो वर्षीय पुत्र के साथ ट्रेन के सामने कूद पड़ी। तब तक स्टेशन पर मौजूद लोगों ने रेलवे ट्रैक पर कूदकर महिला को पकड़कर ट्रैक से बाहर निकाला। ड्राइवर ने ट्रेन रोक दी। सूचना पर अंतू पुलिस मौके पर पहुंची तथा विवाहिता को अपने साथ थाने ले आई। उक्त महिला को परिजनों को बुलाकर उन्हें सौंप दिया।

मशरूम से घर पर बनाएं ये चार आसान और जायकेदार व्यंजन, जानें रेसिपी

मशरूम में कई ऐसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी हैं। साथ ही मशरूम में कई महत्वपूर्ण खनिज और विटामिन भी पाएं जाते हैं। इसके अलावा, मशरूम में चोलिन नाम का एक खास पोषक तत्व होता है, जो मांसपेशियों की सक्रियता और दिमाग की क्षमता के लिए बेहद फायदेमंद है। आज हम आपको घर पर ही मशरूम से बनाने वाले चार स्वादिष्ट व्यंजन की रेसिपी के बारे में बताएंगे।

मशरूम नान

इस रेसिपी के लिए सबसे पहले आप मैदा, पानी, नमक और चीनी को मिलाकर नान का आटा गूंथ लें और 20 मिनट तक छोड़ दें। अब स्टफिंग तैयार करने के लिए एक कढ़ाई में तेल गर्म करके प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। इसमें कटे हुए मशरूम, मैश किए हुए हरे मटर, नमक, गरम मसाला, पनीर और हरी धनिया डालकर पकाएं। अब आटे की गोली बनाकर बेल लें और ऊपर से स्टफिंग डालकर बेक कर लें।

मशरूम घी रोस्ट

सबसे पहले एक पैन में मशरूम को दही, हल्दी और नींबू के रस के साथ मिला लें। अब अलग से गैस पर सूखी लाल मिर्च, लौंग, मेथी दाना, काली मिर्च, धनियां और जीरा को पांच मिनट भून लें और फिर इसमें लहसुन और इमली का पेस्ट डालकर मिक्सी में पेस्ट तैयार कर लें। इसके बाद एक पैन में घी डालें और तैयार किए पेस्ट के साथ मैरीनेट किए हुए मशरूम डालकर अच्छी तरह पका लें और फिर गरमा गरम परोसें।

मशरूम टिक्का मसाला

इसे बनाने के लिए थोड़े से दही में हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, बेसन और गरम मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब एक कढ़ाई में तेल गरम करें और मैरीनेट किए हुए मशरूम तलें। इसके बाद एक पैन में तेल डालकर प्याज, जीरा, अदरक, लहसुन और टमाटर भूनें और फिर इसमें काजू, लाल मिर्च पाउडर, तेज पत्ते और नमक डालकर पेस्ट तैयार कर लें। अब गैस पर इस पेस्ट को पका लें और फिर मशरूम डालकर थोड़ा और पकाएं।

मशरूम सूपः सबसे पहले एक बड़े सॉस पैन में मक्खन गरम करें और कटे हुए प्याज, लहसुन और अदरक को नरम होने तक पकाएं। अब इसमें कटे हुए मशरूम, थोड़ा सा आटा, पानी और सेलरी स्टिक डालकर मिश्रण को उबाल लें। अब मिश्रण में तेज पत्ते और काली मिर्च पाउडर डालें और इसे 10 मिनट तक उबालें। उबालने के बाद, तेज पत्ते निकालकर मिश्रण को अच्छे से ब्लेंड करें और फिर सूप को दोबारा गरम करके परोसें।

इंडो वेस्टर्न अंदाज में दुल्हन बनीं रिया चक्रवर्ती

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती इन दिनों सोशल मीडिया अपनी तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस

हमेशा अपनी बोल्ड और सिजलिंग लुक्स से फैंस को दीवाना बना देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका लुक बेहद ही गॉर्जियस दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया ने मल्टीकलर का फ्लोरल लुक में स्टाइलिश ड्रेस पहना हुआ है। एक्ट्रेस ने बेहद ही बोल्ड अंदाज में इतने लंबे समय बाद कमबैक किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बेहद ही शानदार लग रही हैं। ओपन कर्ली हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं, तो फैंस हमेशा उनकी तस्वीरों पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं। रिया इन तस्वीरों में बेहद ही किलर लुक्स में पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं।

फिल्म मिली का ट्रेलर रिलीज, जिंदगी –मौत से लड़ती दिखीं जाह्नवी कपूर

गुजरते समय के साथ अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के अभिनय में निखार आ रहा है। वह बहुत जल्द अपनी फिल्म मिली के जरिए दर्शकों से रूबरू होंगी। यह फिल्म 4 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। 2 मिनट 20 सेकेंड का यह ट्रेलर आपको अंदर से झकझोर कर रख देगा। इसमें जाह्नवी असामान्य परिस्थितियों से जूझती हुई दिखी हैं।

फिल्म में जाह्नवी ने मिली का किरदार निभाया है, जो अपने पिता (मनोज पाहवा) के साथ रहती है। वह अपने पिता को छोड़कर पढने के लिए कनाडा जाती है। इसके अगले हिस्से में मिली को एक स्थानीय फूड जॉइंट में काम करते हुए दिखाया गया है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब वह गुम हो जाती है। वह एक फ्रीजर में फंसी हुई दिखी। अब फिल्म देखने पर पता चलेगा कि मिली मुश्किल परिस्थिति से कैसे निकलती है।

आंखों में आंसू, डर और बेचौनी लिए मिली के रूप में जाह्नवी का अंदाज लोगों को पसंद आया। इसमें अभिनेता सनी कौशल की छोटी–सी झलक दिखी। ट्रेलर देखने से यह एक सर्वाइवर ड्रामा फिल्म लगती है।

जाह्नवी के पिता बोनी कपूर ने इस फिल्म का निर्माण किया है। यह एक थ्रिलर फिल्म है, जिसके निर्देशन की बागडोर मथुकुट्टी जेवियर ने संभाली है। फिल्म की शूटिंग पिछले साल अगस्त में शुरू हुई थी। यह मलयालम फिल्म हेलेन की हिंदी रीमेक है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में जाह्नवी नर्स की भूमिका में नजर आएंगी। हाल में इस फिल्म का पोस्टर जारी हुआ था, जिसे लोगों ने पसंद किया था।

फिल्म के कलाकार मनोज को इसकी स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी। कहा जाता है कि जब मनोज को इसकी स्क्रिप्ट सुनाई गई, तो काफी कम समय में उन्होंने फिल्म के लिए अपनी हामी भर दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बोनी और मनोज के बीच अच्छे रिश्ते हैं। दोनों एक–दूसरे को 2009 में आई फिल्म वॉन्टेड से जानते हैं। ऐसे में मनोज, जाह्नवी के साथ भी काम करने का मौका नहीं छोडना चाहते थे। मिली की भिड़ंत दो बड़ी फिल्मों से होने वाली है। 4 नवंबर को ही अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की डबल एक्सएल और कैटरीना कैफ की फिल्म फोन भूत सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। जाह्नवी साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ जन गण मन में दिखेंगी। जाह्नवी की एक फिल्म तख्त है, जिसका निर्देशन करण जौहर करेंगे। करण की एक और फिल्म दोस्ताना 2 के साथ जाह्नवी का नाम जुड़ा हुआ है। मिस्टर एंड मिसेज माही में जाह्नवी अपने अभिनय का रंग दिखाएंगी। शशांक खेतान के निर्देशन में बन रही रणभूमि में भी जाह्नवी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन नजर आने वाले हैं।

नवंबर में रिलीज होगी ऐश्वर्या राजेश स्टारर ड्राइवर जमुना

निर्देशक पी. किंसलिन की बेसब्री से प्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर, ड्राइवर जमुना, जिसमें अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश मुख्य भूमिका में हैं, इस साल नवंबर में रिलीज होगी। दशहरा के अवसर पर घोषणा

करने के लिए ट्विटर पर अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश ने कहा, आखिरकार, हम नवंबर में आ रहे हैं! ड्राइवर जमुना नवंबर से सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है!

अभिनेत्री ने इस घोषणा के साथ एक पोस्टर भी साझा किया कि फिल्म नवंबर में रिलीज होगी। ऐसा लगता है कि ऐश्वर्या राजेश, जो रूढिघ्वादिता को तोडने के लिए जानी जाती हैं, ने इस फिल्म में एक और भूमिका निभाई है जो एक अभिनेत्री के लिए पहली बार हो सकती है।

वह किन्सलिन द्वारा निर्देशित ड्राइवर जमुना में एक कैब ड्राइवर की भूमिका निभा रही हैं, जिसकी पिछली फिल्म वथिकुची बॉक्स ऑफिस पर समीक्षकों द्वारा प्रशंसित थी। कहानी एक विशेष यात्रा के इर्द–गिर्द घूमती है। फिल्म, जिसमें गोकुल बेनॉय की छायांकन है, में घिबरन का संगीत और रामर द्वारा संपादन है।

हाथों को आकर्षक बनाने के लिए इस्तेमाल करें ये 4 तरह की नेल पेंट

नाखूनों को आकर्षक बनाने के लिए कई महिलाएं नेल पेंट का इस्तेमाल करती हैं। ये पूरे लुक को बेहद खूबसूरत बनाने के साथ–साथ हाथों को आकर्षक बनाने में भी मदद करती हैं। अलग–अलग जगहों के लिए अलग–अलग की नेल पेंट इस्तेमाल की जाती हैं। बाजार में भी अब कई तरीके की नेल पेंट मौजूद हैं, जिसके कारण महिलाएं अक्सर कंफ्यूज हो जाती हैं। आइए आज हम आपको चार बेहतरीन नेल पेंट के बारे में बताते हैं। मैट नेल पेंटः मैट नेल पेंट काफी पसंद की जाती है। ये नेल पेंट आपके नाखूनों को बगैर चमक या शाइनिंग के एक चिकनी फिनिश देती है। इससे आपके हाथ बेहद खूबसूरत दिखते हैं। इस नेल पेंट में आप पेस्टल रंगों को चुन सकती हैं। इसे आप नॉर्मल दिनों में या किसी प्रोग्राम में भी लगा सकती हैं। इसे लगाने से आपके नाखून चमकीले नहीं दिखेंगे, इसलिए दिन के प्रोग्राम में लगाने के लिए ये नेल पेंट बढिया विकल्प है। क्रोम नेल पेंटः क्रोम नेल पेंट में एक खास बात होती है कि यह नियमित नेल पेंट की तुलना में अधिक लंबे समय तक चलती है। इसे लगाने से नाखूनों पर एक बहुत ही खूबसूरत चमक आती है। अगर आपको रात की पार्टी में जाना है तो क्रोम नेल पेंट बिल्कुल सही है। अपने नाखूनों पर इसे दो बार लगाएं और इसके बाद हाई–शाइन टॉप कोट लगाएं। ये आपके पूरे लुक पर चार चांद लगा देगी। ग्लिटर नेल पेंटः अक्टूबर से दिसंबर के बीच बहुत शादी होती हैं और ऐसे मौकों के लिए ग्लिटर नेल पेंट बहुत अच्छा विकल्प है। ये आपके नाखूनों की चमक और ज्यादा बढ़ा देगी। ये आमतौर पर ट्रांसपेरेंट होती है और इसमें ग्लिटर के टुकड़े शामिल रहते हैं। नाखूनों पर बेस कोट लगाने के बाद ग्लिटर पेंट के दो कोट लगाएं और फिर ग्लॉस कोट लगा लें। ये नियमित या मैट नेल पेंट की तुलना में अधिक लंबे समय तक चलती है। क्रीम नेल पेंटः क्रीम नेल पेंट बहुत ही क्लासिक और सुरक्षित है। ये आपके नाखूनों को ग्लॉसी फिनिश लुक देती है। इसमें किसी प्रकार की मिलावट नहीं होती, इसलिए यह लंबे समय तक चलती है। हालांकि इसे हटाने के लिए आपको नेल पेंट रिमूवर की जरूरत पड़ेगी। इसके सिर्फ दो कोट लगाने से आपके हाथ आकर्षक दिखेंगे। बाजार में यह नेल पेंट बहुत से रंगों में उपलब्ध है। आप अपने कपड़ों की मैचिंग या फिर पसंदीदा रंग में इसे खरीद सकती हैं।